मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | भोपाल, शनिवार 24 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-339, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

दो दिवसीय ह्लमध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर समिट-2026ह्व का किया शुभारंभ

5,800 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव, 10 हजार से अधिक रोजगार होंगे सृजित

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर समिट-2026 के माध्यम से प्रदेश में लगभग 5 हजार 800 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनसे 10 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। समिट में 1 हजार से अधिक प्रतिनिधियों और जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान एवं स्वीडन के प्रतिनिधिमंडलों की सहभागिता प्रदेश में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक रुचि को दशार्ती है। दो दिवसीय समिट में 8 पैनल चर्चाएं, 5 राउंडटेबल और 6 की-नोट उद्बोधन आयोजित किए जा रहे हैं। समिट में मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर नीति-2026 पर हितधारक चर्चा और एमपी सेमीकॉन स्टार्टअप चैलेंज भी आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर समिट-



2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कभी असंभव लगने वाले विषय आज वास्तविकता बन रहे हैं। सभी क्षेत्रों में समान रूप से आगे बढ़ने के लिए राज्यों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण उपलब्ध है। मध्यप्रदेश भी देश के साथ कदम मिलाकर तेजी से आगे बढ़ रहा है। कोविड काल में सेमीकंडक्टर चिप की कमी से वैश्विक स्तर पर विकास गतिविधियां प्रभावित हुई थीं। इससे इस क्षेत्र की आर्थिक और सामरिक महत्ता स्पष्ट हुई है। मध्यप्रदेश सरकार सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित कर प्रदेश को देश के प्रमुख तकनीकी केंद्रों में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने ढाई वर्ष में 25 से अधिक नीतियां बनाकर निवेश और औद्योगिक विकास की नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। पारदर्शी, सरल और स्पष्ट नीतियों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट सहित विभिन्न प्रयासों से प्रदेश में लगभग 34 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें से 30 प्रतिशत से अधिक निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरे हैं। प्रदेश सरकार निवेश प्रस्तावों को वास्तविक परियोजनाओं में बदलने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रमुख घोषणाएं

सेमीकंडक्टर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापनाः प्रदेश में सेमीकंडक्टर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा। इसके माध्यम से चिप डिजाइन, वीएलएसआई, नवाचार, अनुसंधान एवं विकास, प्रोटोटाइपिंग तथा कौशल विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। फोटोनिक्स एवं क्वांटम टेक्नोलॉजीज सेंटर ऑफ एक्सीलेंसः प्रदेश में फोटोनिक्स एवं क्वांटम टेक्नोलॉजीज सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा। इससे क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम कम्युनिकेशन, फोटोनिक्स, एडवांस्ड मटेरियल्स और डीप-टेक अनुसंधान के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित होंगी। इंदौरझउज्जैन इकोनॉमिक कॉरिडोर में हाई-टेक उद्योगों को प्राथमिकताः कॉरिडोर के विकास में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, एडवांस्ड पैकेजिंग, चिप डिजाइन एवं हाई-टेक उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे प्रदेश में उन्नत प्रौद्योगिकी एवं विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार को गति मिलेगी।

देश को दहलाने की साजिश नाकाम

सेना ने आतंकी ठिकाने से बरामद किए हथियार और गोला-बारूद

एजेन्सी, जम्मू



जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर इलाके में सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को एक आतंकवादी ठिकाने से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि पुख्ता सूचना के आधार पर सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों की संयुक्त टीम ने पुंछ जिले के मेंढर के कसबलारी इलाके में तलाशी अभियान चलाया और एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया। तलाशी के दौरान सुरक्षा बलों ने एक बैग, टेप से लिपटे छह कंटेनर, जिनमें शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण (आईईडी) होने का संदेह है, एक कॉम्बैट पाउच, एक लोहे का बक्सा, जिसमें मैगजीन होने की आशंका है, टेप से लिपटा एक अन्य कंटेनर, 7.62 एमएम एलएमजी की एक मैगजीन, एक एल्युमीनियम कंटेनर, दो अडैप्टर और एक टिफिन बरामद किया।

मकान के बाहर बिखरे शव, डेढ़ घंटे तक होते रहे धमाके

बिहार की पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट,पति-पत्नी समेत 7 की मौत

एजेन्सी, सीवान

बिहार के सीवान में पटाखा बनाने के दौरान हुए ब्लास्ट में पति-पत्नी और उनकी बेटी समेत 7 की मौत हो गई। जामो थाना क्षेत्र के अलमापुर गांव के एक मकान में पटाखे बनाए जा रहे थे। इसी दौरान अचानक धमाके होने लगे। इस धमाके में पूरा मकान उड़ गया।

लोगों के शव सड़क पर बिखर गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक, करीब डेढ़ घंटे तक रुक-रुककर धमाके होते रहे। घटना की सूचना मिलने के बाद सदर एसडीओ आशुतोष गुप्ता, महाराजगंज एसडीपीओ अमन और बड़हरिया, जामो, गोरेयाकोठी समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची है। अधिकारी घटनास्थल की जायजा ले रहे हैं। एसडीपीओ ने बताया कि दमकल की गाड़ियां की मदद से आग बुझाने की कोशिश की जा रही है। आग पर काबू पाने के बाद मामले की जांच की जाएगी।



मृतकों की पहचान में परेशानी

स्थानीय लोगों ने हादसे में करीब सात लोगों की मौत की सूचना दी है। बताया जा रहा है कि विस्फोट की वजह से शवों की पहचान करने में कठिनाई हो रही है। हालांकि, मृतकों की वास्तविक संख्या और उनकी पहचान के बारे में आधिकारिक पुष्टि अभी प्रतीक्षित है। घटना के कारणों और मकान में रखे पटाखों की स्थिति को लेकर भी विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

5 दिन पहले टाइगर श्रॉफ पर हुई थी फायरिंग

अमिताभ बच्चन का बंगला उड़ाने की धमकी दिलजीत दोसांझ को जान से मारने का मेल



एजेन्सी, मुंबई

अमिताभ बच्चन और पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ को शुक्रवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। मुंबई की मेयर रितु तावड़े को यह धमकी भरा ई-मेल भेजा गया।

इसमें अमिताभ बच्चन के बंगले 'जलसा' को बम से उड़ाने की बात लिखी गई। कहा गया कि 31 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच कभी भी बंगले को निशाना बनाया जा सकता है। हमला 1984 के 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' का बदला होगा। इसी मेल में गायक दिलजीत दोसांझ को भी आत्मघाती हमले में मारने की धमकी दी गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह मेल तब आया है, जब 5 दिन पहले रविवार को एक्टर टाइगर श्रॉफ पर मुंबई में फायरिंग की गई।

इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। मुंबई मेयर को भेजे गए मेल में खालिस्तान समर्थक नारे लिखे गए हैं। इसमें 1984 के सिख-विरोधी दंगों का भी जिक्र है। मेल में कहा गया कि दिलजीत ने अमिताभ बच्चन के पैर छूए थे इसलिए उस पर हमला किया जाएगा। मेल में लिखा है कि 27 नवंबर को दिलजीत को महालक्ष्मी रेस कोर्स में आत्मघाती हमले में मारना है।

धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद मुंबई पुलिस, पुलिस की डॉग स्क्वॉड और बम स्क्वॉड की टीमें बीएमसी मुख्यालय पहुंचीं।

यूपी में मतदान के दौरान सपा और भाजपा कार्यकर्ता भिड़े

बिहार, यूपी, महाराष्ट्र-कर्नाटक की 28 विधान परिषद सीटों पर वोटिंग

एजेन्सी, नई दिल्ली



बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक की 28 विधान परिषद सीटों पर शुक्रवार को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक वोटिंग हुई। सबसे ज्यादा 11 सीटें यूपी में हैं। बिहार में 8, महाराष्ट्र में5 और कर्नाटक में 4 सीटों पर वोटिंग हुई। वोटों की गिनती 27 अक्टूबर को होगी। इस दौरान मुजफ्फरनगर में सपा और भाजपा कार्यकर्ता भिड़ गए। राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल के सामने दोनों गुटों के बीच मारपीट होने लगी। पुलिसवालों ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया।

विधान परिषद क्या है?

विधान परिषद राज्य की विधानसभा का ऊपरी सदन है, जैसे संसद में राज्यसभा। इसका मकसद है कि विधानसभा में पास होने वाले कानूनों पर एक बार फिर शांत मन से विचार हो। साथ ही पढ़े-लिखे और अनुभवी लोगों को भी सदन में जगह मिले।

इसकी ताकत विधानसभा से कम होती है। धन विधेयक यहां पेश नहीं हो सकता। यह एक स्थायी सदन है, यानी भंग नहीं होता। सदस्यों का कार्यकाल 6 साल का होता है और हर 2 साल में एक-तिहाई सदस्य रिटायर होते हैं। इसी वजह से हर दो साल में ऐसे चुनाव होते हैं। फिलहाल उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना। बाकी राज्यों में सिर्फ विधानसभा है। चुनाव में वही वोट डालते हैं जिनका नाम स्नातक या शिक्षक मतदाता सूची में है। ग्रेजुएट सीट के लिए कम से कम तीन साल पहले ग्रेजुएट होना जरूरी है। शिक्षक सीट के लिए माध्यमिक स्तर या उससे ऊपर के स्कूल में कम से कम तीन साल पढ़ाने का अनुभव चाहिए।

ब्रिटेन पर मंडरा रहा कोई बड़ा खतरा?

सरकार ने कहा- घर में तीन दिन का आपातकालीन सामान रखें

एजेन्सी, लंदन



ब्रिटेन सरकार ने लोगों को सलाह दी है कि वे अपने घरों में कम से कम तीन दिन का जरूरी सामान रखें। इसमें पीने का पानी और ऐसा भोजन शामिल है, जिसे लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सके और पकाने की जरूरत न पड़े। सरकार ने यह सलाह ऐसे समय दी है, जब देश में इंटरनेट सेवाओं में आई तकनीकी गड़बड़ी, साइबर हमलों के बढ़ते खतरे और जंगलों में आग जैसी आपात स्थितियों को लेकर चिंता बढ़ी है। सरकार का कहना है कि संकट के समय लोगों को शुरूआती तीन दिनों तक अपनी जरूरतों का इंतजाम खुद करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

ब्रिटेन सरकार ने अपनी नई 'बी रेडी' मुहिम के तहत लोगों से घर में तीन दिन का आपातकालीन सामान रखने की अपील की है। इसमें बोतलबंद पानी और लंबे समय तक खराब न होने वाला भोजन रखने की सलाह दी गई है। सरकार के मुताबिक, इस हफ्ते इंटरनेट सेवाओं में आई तकनीकी गड़बड़ी ने दिखाया कि जरूरी सेवाएं अचानक प्रभावित हो सकती हैं। ऐसी स्थिति में लोगों को कुछ समय तक अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी करने में सक्षम होना चाहिए। सरकार चाहती है कि आपात स्थिति आने पर लोग केवल प्रशासन की मदद पर निर्भर न रहें और पहले से तैयारी करके रखें।

पीएम मोदी ने चिन्मय अमृत महोत्सव वैश्विक सम्मेलन का किया उद्घाटन

समाज को बांटने वाली ताकतें सक्रिय, इनसे निपटने को एकजुट होना जरूरी

एजेन्सी, नई दिल्ली

पीएम मोदी शुक्रवार को दिल्ली के भारत मंडपम में 'चिन्मय अमृत महोत्सव' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने सामाजिक बुराइयों से निपटने और बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। पीएम ने कहा- दशकों में समय बदला है, नई चुनौतियां सामने आई हैं और नई सामाजिक बुराइयां पैदा हुई हैं। आज, इन समस्याओं को सुलझाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने आगे कहा, हमें समाज को बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट होना होगा, आत्मनिर्भर बनने के लिए लोगों प्रेरित करना होगा, हर व्यक्ति को 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन से जोड़ना होगा।

इस दौरान, पीएम ने स्वामी चिन्मयानंद के होलोबॉट से बात की। यह ऐसी तकनीक है जो एक वास्तविक दिखने वाले 3D होलोग्राफिक डिजिटल इंसान को पेश करती है।



पीएम मोदी ने क्या कहा?

पीएम मोदी ने कहा,'इस कार्यक्रम में आधुनिक तकनीक के जरिए मेरे दिल की भावनाएं और भी जीवंत हो उठीं। पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद को इस रूप में देखना और उनके होलोग्राम के साथ बातचीत करने का अवसर मिलना, ऐसा लगा मानो मैं 33 साल पीछे समय में चला गया हूं। 1993 में वडोदरा में गुरुदेव के साथ मेरी मुलाकात, हमारी बातचीत, उनका स्नेह और उनका आशीर्वाद सब कुछ मेरी आंखों के सामने बिल्कुल साफ तौर पर आ गया। एक पल के लिए मुझे ऐसा लगा मानो मैं फिर से उनके साक्षात सानिध्य में हूं। यह मेरे लिए बेहद भावुक कर देने वाला अनुभव था। मुझे यह अद्भुत अनुभव देने के लिए मैं चिन्मय मिशन के सभी सदस्यों का तहे दिल से धन्यवाद करता हूं।

क्या है चिन्मय अमृत महोत्सव ग्लोबल सम्मेलन?

बता दें कि 23 से 25 अक्तूबर 2026 तक आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय सम्मेलन में भारत और विदेशों से 9,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे। यह आयोजन 'चिन्मय मिशन' के 75 वर्षों के उपलक्ष्य में साल भर चलने वाले समारोहों का समापन है। चिन्मय मिशन एक वैश्विक आध्यात्मिक आंदोलन है, जिसकी स्थापना 1951 में स्वामी चिन्मयानंद ने की थी, ताकि वेदांत और भगवद गीता का ज्ञान सभी तक पहुंचाया जा सके। पिछले कुछ दशकों में, इस मिशन ने आध्यात्मिक शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण, युवा सशक्तिकरण और सामुदायिक सेवा के क्षेत्रों में अपने कार्यों का विस्तार किया है।

गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद से मुलाकात को लेकर क्या कहा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं, 'मुझे आज भी याद है कि उनके साथ मेरी पिछली मुलाकात में हमने कितनी गंभीर चर्चा की थी। उस चर्चा का मुख्य विषय था - युवा शक्ति का निर्माण करना और उसके जरिए एक मजबूत और सक्षम भारत बनाना। उनसे मिलने के कुछ साल बाद, लोगों ने मुझे गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर दिया। तब से लेकर पिछले 25 वर्षों तक, मैंने सरकार के मुखिया के तौर पर अपनी पूरी क्षमता से देश की सेवा की है। इस पूरे सफर में गुरुदेव का आशीर्वाद मेरे साथ रहा है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, 'जब देश ने अपनी आजादी के 75 साल पूरे किए, तो मैंने सोचा कि हमें इस अवसर को न केवल 'विकसित भारत' के विजन को प्रेरित करने का एक मंच बनाना चाहिए, बल्कि भारत की उस भावना को भी जीवंत करना चाहिए जो अमर विचारों के साथ जीना जानती है, और हजारों वर्षों के अपने अनुभव के आधार पर, आने वाली पीढ़ियों के लिए पूरी मानवता की चिंता कर सकती है।'

शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसरों की उम्मीद, गुणवत्ता पर रहेगा जोर

जबलपुर में विदेशी विश्वविद्यालयों के आगमन की उम्मीद, बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने अगस्त 2026 तक देश में कैंपस खोलने के लिए 15 विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों को 16 लेटर ऑफ इंटेंट जारी किए हैं। इन स्वीकृत परिसरों के लिए बेंगलुरु, मुंबई, गुरुग्राम और चेन्नई जैसे महानगरों को चुना गया है। इस केंद्रीय सूची में मध्य प्रदेश का कोई भी शहर अभी शामिल नहीं है। इस स्थिति को देखते हुए राज्य के उच्च शिक्षा विभाग ने सितंबर 2026 में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी की नियुक्ति के लिए निविदा आमंत्रित की है। इस कदम का मकसद इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर के विद्यार्थियों को अपने ही राज्य में वैश्विक स्तर का शिक्षण दिलाना है, जिससे उन्हें पढ़ाई के लिए दूसरे देश न जाना पड़े। परामर्श प्रक्रिया से अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को मिलेगी मजबूती ?जारी निविदा सीधे तौर पर विदेश संस्थान की स्थापना की अनुमति नहीं देती। इसका मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक तालमेल, शोध कार्यों में सहभागिता और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान की रूपरेखा तैयार करना है। राज्य सरकार इस व्यवस्था के जरिए उच्च शिक्षा तंत्र को व्यवस्थित और आधुनिक बनाना चाहती है। चारों बड़े केंद्रों के लिए विशेष पाठ्यक्रम तय तैयार किए जा रहे प्रारूप में इंदौर को उद्योग और प्रबंधन आधारित विषयों के केंद्र के तौर पर देखा जा रहा है। राजधानी भोपाल में तकनीकी शिक्षा के साथ अनुसंधान गतिविधियों पर फोकस रखा गया है। ग्वालियर में अकादमिक साझेदारी बढ़ाने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं, जबकि जबलपुर में विज्ञान, इंजीनियरिंग और पर्यावरण अनुसंधान के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर कार्य करने का अध्ययन हो सकता है। यह पूरी रूपरेखा संभावित क्षेत्रों के आधार पर बनाई गई है, जो किसी विदेशी संस्थान की अंतिम योजना नहीं है। जानकारों के मुताबिक विदेशी संस्थानों के आगमन से स्थानीय कॉलेजों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा शुरू होगी और पाठ्यक्रम की गुणवत्ता सुधरेगी। शुल्क अधिक रहने की स्थिति में यह अवसर सीमित छात्रों तक सिमट सकता है।विदेशी विश्वविद्यालयों के आने से केवल छात्रों के विकल्प ही नहीं बढ़ेंगे, बल्कि इसका सीधा असर स्थानीय शिक्षण संस्थानों की कार्यप्रणाली पर भी पड़ेगा। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, महाकौशल प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों को अपनी शिक्षा की गुणवत्ता, शोध कार्यों और तकनीकी बुनियादी ढांचे को और अधिक उन्नत बनाना होगा। वैश्विक मानकों के अनुरूप खुद को ढालने के लिए संस्थानों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी, जिसका अंततः सीधा लाभ क्षेत्र के विद्यार्थियों को ही मिलेगा।

हाईकोर्ट के हस्तक्षेप से टला जिला पंचायत का शक्ति परीक्षण

जिला पंचायत में शक्ति परीक्षण को लेकर बढ़ा विवाद, हाईकोर्ट के हस्तक्षेप से बदला घटनाक्रम

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने सिवनी जिला पंचायत अध्यक्ष मालती डेहरिया के खिलाफ पेश अविश्वास प्रस्ताव पर आगामी तारीख तक अंतरिम स्थगन आदेश जारी किया है। न्यायमूर्ति एमएस भट्टी की एकलपीठ ने मामले के त्वरित महत्व को देखते हुए सोमवार सुबह 10:30 बजे विशेष अर्जी पर आपातकालीन सुनवाई पूरी की। डेहरिया ने अविश्वास प्रस्ताव की कानूनी वैधता को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी, जिसकी पैरवी अधिवक्ता असीम त्रिवेदी और पंकज तिवारी ने की। इस राजनीतिक घटनाक्रम में सिवनी कलेक्टर की निगरानी में 22 अक्टूबर 2026 को सुबह 11 बजे अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिए विशेष सभा तय थी। अदालत ने त्वरित हस्तक्षेप करते हुए पूरी प्रक्रिया रोककर प्रशासन से मूल दस्तावेज तलब कर लिए हैं। न्यायालय में पेश याचिका के जरिए पंचायती राज व्यवस्था के तय नियमों के उल्लंघन का मुद्दा जोर-शोर से उठाया गया। याचिकाकर्ता पक्ष का तर्क था कि पद से हटाने की यह पूरी कवायद वैधानिक प्रावधानों के विपरीत तैयार की गई है। प्रशासनिक स्तर पर नियमावली की अनदेखी कर सीधे बैठक की तिथि नियत कर दी गई थी। पंचायत अधिनियम के तहत तय समय सीमा, सूचना प्रेषण के अधिकार और निर्धारित प्रक्रियाओं का उचित पालन नहीं किया गया। इसी आधार पर याचिकाकर्ता ने तुरंत न्यायिक संरक्षण की गुहार लगाई थी। सुनवाई के दौरान पेश तर्कों को दृष्टिगत रखते हुए पीठ ने माना कि विवादित बिंदुओं पर अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए मूल पत्राचार का अवलोकन अनिवार्य है। अदालत ने जिला प्रशासन को निर्देशित किया कि अविश्वास प्रस्ताव की शुरुआत से लेकर अब तक जारी सभी नोटिस, हस्ताक्षरित ज्ञापन और कार्यवाहियों की मूल फाइलें पीठ के समक्ष प्रस्तुत की जाएं। शासन को स्पष्ट हिदायत दी गई है कि न्यायिक समीक्षा पूर्ण होने तक कोई भी अग्रिम प्रशासनिक कदम नहीं उठाया जाएगा।

आगामी तारीख पर कानूनी वैधता की समीक्षा होगी

न्यायिक आदेश के प्रभावी होते ही स्थानीय ग्रामीण राजनीति में मची हलचल फिलहाल शांत हो गई है। तय कार्यक्रम के अनुसार आहूत होने वाली प्रशासनिक बैठक स्थगित मान ली गई है। पंचायती राज जनप्रतिनिधियों के बीच शक्ति परीक्षण की चल रही तैयारियों को इस स्थगनादेश से अचानक झटका लगा है। दोनों ही पक्षों की निगाहें अब न्यायिक पटल पर होने वाली अग्रिम जिरह पर टिक गई हैं। अदालत अब इस बात का बारीकी से परीक्षण करेगी कि जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए अविश्वास आवेदन में निर्धारित कोरम, सदस्यों के वास्तविक दस्तखत और वैधानिक नियमों की सही औपचारिकताएं पूर्ण थीं अथवा नहीं।

ऑटो में बैठना पड़ा महंगा, बीटेक छात्र का मोबाइल लेकर फरार

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



रेलवे स्टेशन से कॉलेज जाने वाले एक बीटेक छात्र का ऑटो चालक ने बड़ी सफाई से मोबाइल पार कर दिया और छात्र को वाहन से उतारकर भाग गया। छात्र ने मामले की पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। सिविल लाईन पुलिस ने बताया कि पिपरिया सहलावन में रहने वाले आशीष मौर्य ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह बीटेक की पढ़ाई श्रीराम कॉलेज जबलपुर से कर रहा है। 18 अक्टूबर को कटनी से जबलपुर स्टेशन शाम लगभग 6 बजे आकर स्टेशन के बाहर आया। ऑटो में बैठकर श्रीराम कॉलेज जाने लगा। हाईकोर्ट चौक के पास ऑटो वाले ने कहा कि आटो खराब हो रहा है। सीट के नीचे हाथ मारने कहा। उसी दौरान उसका मोबाइल जेब से निकाल लिया। उसे हाईकोर्ट चौक के पास उतारकर ऑटो चालक चला गया। उसने देखा कि उसका मोबाइल नहीं था। ऑटो चालक उसका मोबाइल चोरी कर भाग गया। इसी तरह कुम्हार मोहल्ला निवासी अमृता बर्मन ने केंट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वे परिवार के साथ देवी दर्शन के लिए ई-रिक्शा क्रमांक एमपी 20 जेड एफ 4791 से सदर आए थे। रिक्शा भाई अंबर चला रहा था। टेगोर गार्डन के सामने ई रिक्शा खडा कर सभी दर्शन करने चले गये थे। रात लगभग 2 बजे दर्शन करके वापस आकर देखा ई रिक्शा नहीं था।

दर्शन कर रही एक महिला को शातिर चोरों ने शिकार बनाया

दुपट्टे के नीचे से सरका लिया मंगलसूत्र, देवी दर्शन के दौरान वारदात, दुपट्टा सरका कर उड़ाई चेन

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



जबलपुर के गढ़ाफाटक इलाके में माता के दर्शन कर रही एक महिला को शातिर चोरों ने अपना शिकार बना लिया। भीड़भाड़ का फायदा उठाकर चोरों ने पलक झपकते ही महिला के गले से करीब 85 हजार रुपये कीमत का सोने का मंगलसूत्र पार कर दिया। जब महिला दर्शन करके पंडाल से बाहर आई और गले में मंगलसूत्र गायब देखा, तो उसके होश उड़ गए। इसके बाद पीड़िता ने थाने पहुंचकर इसकी शिकायत दर्ज कराई। लार्डगंज पुलिस थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार, गोरखपुर के जोगी मोहल्ला की रहने वाली प्रीति कनोजिया ने बताया कि वह 16 अक्टूबर की रात करीब 11:40 बजे अपने पति दीपक कनोजिया और बच्चों के साथ महाकाली के दर्शन करने गढ़ाफाटक गई थीं। दर्शन करने के बाद जब वे आगे बढ़ रही थीं, तभी किसी अज्ञात शख्स ने उनके गले में पड़ा दुपट्टा पीछे से खिसका दिया। जैसे ही उन्होंने दुपट्टा ठीक करने के लिए हाथ बढ़ाया, तो उनका ध्यान गया कि गले में पहना हुआ सोने का मंगलसूत्र गायब है। इस चोरी गए मंगलसूत्र की कीमत करीब 85,420 रुपये बताई जा रही है। महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब पंडाल के आसपास और रास्ते के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपी की पहचान की जा सके। गौरतलब है कि शहर में इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इससे पहले 19 अक्टूबर को भी हनुमानताल स्थित बड़ी खेरमाई मंदिर में राजस्थान से दर्शन करने आई एक महिला का मंगलसूत्र चोरी हो गया था, जिसका अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस अब दोनों मामलों को जोड़कर चोरों के इस सक्रिय गिरोह की तलाश में जुटी है।

घाना में मुफ्त शराब नहीं मिलने पर सेल्समेन को चाकू मारा

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



जबलपुर के खमरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत घाना गांव में एक शराब दुकान पर दबंगई का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मुफ्त में शराब न मिलने पर दो युवकों ने गुस्से में आकर सेल्समेन पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। खमरिया पुलिस को दी गई शिकायत में घाना निवासी सूरज जायसवाल ने बताया कि वह घाना स्थित अंग्रेजी और देशी शराब दुकान पर सेल्समेन का काम करता है। गुरुवार रात करीब 8 बजे निकेश बंजारा और सतीश कुशवाहा दुकान पर पहुंचे थे। आरोपी सतीश कुशवाहा सेल्समेन से बिना पैसे दिए मुफ्त में शराब की मांग करने लगा। जब सूरज ने नियम का हवाला देते हुए मुफ्त शराब देने से साफ इंकार कर दिया, तो दोनों युवक आग बबूला हो गए। विरोध करने पर आरोपियों ने सेल्समेन के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी देने लगे। इसी दौरान आरोपी निकेश बंजारा ने जान से मारने की नीयत से सूरज के सीने पर चाकू से वार कर दिया। हालांकि, सूरज ने सूझबूझ दिखाते हुए खुद को बचाने के लिए तुरंत अपना शरीर घुमा लिया, जिससे सीने पर लगने वाला वार उसकी कमर में जा लगा। इस हमले में सेल्समेन घायल हो गया। शोर सुनकर जब मौके पर अन्य साथी उसे बचाने दौड़े, तो दोनों हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की धरपकड़ शुरू कर दी है।

लोकायुक्तः नगर निगम के बाबू ने मांगी एनओसी के बदले 25 हजार की रिश्वत

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



ट्रांसपोर्ट नगर में निर्माण कार्य के लिए बैंक लोन की एनओसी जारी करने के एवज में रिश्वत मांगने वाले कटनी नगर निगम के लिपिक को लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने शुक्रवार को 20 हजार रुपये लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान नगर निगम की संपदा शाखा में पदस्थ लिपिक आलोक गर्ग के रूप में हुई है। लोकायुक्त टीम आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर रही है। लोकायुक्त एसपी अंजुलता पटले ने बताया कि ट्रांसपोर्टर अशोक कनकने को ट्रांसपोर्ट नगर पुरैनी में प्लॉट नंबर 137 आवंटित है। प्लॉट पर निर्माण कार्य कराने के लिए उन्होंने बैंक से ऋण लेने के लिए आवेदन किया था। बैंक प्रबंधन ने ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया के तहत नगर निगम से अनापत्ति प्रमाण पत्र एनओसी मांगा था। एनओसी जारी कराने के लिए अशोक कनकने नगर निगम की संपदा शाखा में पदस्थ लिपिक आलोक गर्ग के पास पहुंचे थे। आरोप है कि एनओसी जारी करने के बदले लिपिक ने ट्रांसपोर्टर से 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। रिश्वत की मांग से परेशान होकर शिकायतकर्ता ने लोकायुक्त जबलपुर में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मामले का सत्यापन कराया गया। शिकायत की पुष्टि के बाद टीम ने आरोपी को पकड़ने के लिए योजना बनाई। शुक्रवार को लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की। शिकायतकर्ता अशोक कनकने ने जैसे ही आरोपी लिपिक को 20 हजार रुपये दिए, टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद आरोपी को सिविल लाइन स्थित रेस्ट हाउस ले जाया गया।

सागर जैसे शराब कांड के इंतजार में है सिहोरा पुलिस

ग्रामीण महिलाओं ने सिहोरा थाने का किया घेराव

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



सिहोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत छपरा की महिलाओं और ग्रामीणों ने अवैध कच्ची महुआ शराब की बिक्री पर रोक लगाने के लिए शुक्रवार को सड़कों पर उतरकर थाने का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर सागर कुडारी कांड जैसी बड़ी दुर्घटना होने से पूर्व आबकारी अमले और स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से बेखौफ चल रहे मदिरा विक्रय से सामाजिक माहौल दूषित हो रहा है। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि अवैध धंधे पर त्वरित रोक लगाकर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं हुई, तो वे चक्काजाम कर व्यापक जन आंदोलन शुरू करेंगे। छपरा सहित नजदीकी गांवों में खुलेआम चल रहे अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार से युवा पीढ़ी का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। घरों में कलह, आर्थिक तंगी और घरेलू हिंसा की बढ़ती घटनाओं से त्रस्त होकर महिलाओं को आखिरकार थाने के मुख्य द्वार तक मोर्चा खोलना पड़ा। ग्रामीणों ने अधिकारियों के समक्ष स्पष्ट किया कि अवैध मदिरा विक्रय की लगातार शिकायतें देने के बाद भी संबंधित विभाग द्वारा कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया, जिससे कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं। क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना घटित होने अथवा कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति में ग्रामीणों ने सीधे तौर पर पुलिस और आबकारी महकमे की जवाबदेही तय करने की मांग रखी है। प्रदर्शन के दौरान मौजूद थाना अधिकारियों ने उत्तेजित ग्रामीणों और महिलाओं को शांत कराया तथा उनकी शिकायतों का ज्ञापन प्राप्त किया। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को भरोसा दिलाया कि ग्राम पंचायत छपरा के चिन्हित संदिग्ध ठिकानों पर पुलिस बल की विशेष टीमें शीघ्र दबिश देकर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी।

नए सिस्टम के चलते प्रदेश में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज

मध्य प्रदेश में एक हफ्ते तक मौसम रहेगा बदला-बदला, रात का तापमान 2-3 डिग्री गिरेगा

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्य प्रदेश में मानसून की आधिकारिक विदाई हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद राज्य के मौसम में लगातार अनोखे और तीखे बदलाव देखने को मिल रहे हैं। प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में पिछले सात दिनों से लगातार आंधी और बारिश का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है, जिससे आम जनजीवन और कृषि गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में सक्रिय साइक्लोनिक सर्कुलेशन और मौसम प्रणालियों के कारण राज्य के विभिन्न हिस्सों में यह बेमौसम बरसात हो रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान इंदौर, बड़वानी और धार जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई है, जबकि उज्जैन संभाग के अंतर्गत आने वाले देवास जिले में भी पानी गिरा है। विशेष तौर पर देवास के उदयनगर इलाके में आधा इंच से अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई है, जिससे अक्टूबर के महीने में भी सावन जैसा अहसास हो रहा है। मौसम विभाग ने मौजूदा मौसमी गतिविधियों को देखते हुए आज शुक्रवार को राज्य के इंदौर संभाग के पांच प्रमुख जिलों—आलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर के लिए विशेष चेतावनी जारी की है। इन जिलों में गरज-चमक के साथ आंधी चलने और बारिश होने की पूरी संभावना जताई गई है। विभाग का अनुमान है कि इस दौरान हवाओं की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है, जिसे देखते हुए स्थानीय प्रशासन और नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। दूसरी ओर, राजधानी भोपाल में गुरुवार को दिनभर तेज और चुभती धूप खिली रही, लेकिन शाम ढलते ही आसमान में अचानक बादल छा गए, जिससे मौसम सुहाना हो गया। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, राहत मिलने के बजाय अब एक नया मौसमी सिस्टम दस्तक देने जा रहा है। आगामी 24 अक्टूबर से उत्तर-पश्चिम भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होने जा रहा है, जिसका असर दो से तीन दिनों के भीतर मध्य प्रदेश के मौसम पर भी साफ तौर पर दिखाई देगा। इस नए सिस्टम के प्रभाव से राज्य के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू हो सकता है। अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में भी इस तरह की बारिश की संभावना बनी हुई है, जिससे साफ है कि इस बार त्योहारी सीजन और महीने के अंतिम दिन पानी की गतिविधियों के बीच गुजरेंगे। पारे में आई भारी गिरावट, सीजन में पहली बार 14 डिग्री से नीचे पहुंचा तापमान लगातार हो रही बारिश और बादलों की आवाजाही के बीच प्रदेश के तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की जाने लगी है, जिससे अब धीरे-धीरे ठंड ने अपने पाँव पसारना शुरू कर दिया है। बीती रात इस सीजन में पहली बार मध्य प्रदेश का न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे लुढ़क गया। कटनी जिले के करौंदी में सबसे कम 13.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जिसने ठंड के शुरुआती अहसास को और गहरा कर दिया है। इसी तरह अमरकंटक में 14.5 डिग्री, रीवा में 15 डिग्री, उमरिया में 15.4 डिग्री और शहडोल के कल्याणपुर में न्यूनतम तापमान 15.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रात के साथ-साथ दिन के अधिकतम तापमान में भी खासी गिरावट आई है, जिसके चलते इंदौर और टीकमगढ़ जैसे शहरों में पारा गिरकर 34 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया है।

वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी की अध्यक्षता में भोपाल मंडल में सतर्कता संगोष्ठी आयोजित

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 की थीम 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' पर दिया गया जोर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**





पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल कार्यालय में दिनांक 23 अक्टूबर 2026 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के अंतर्गत सतर्कता संगोष्ठी का आयोजन वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री नीरज कुमार की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन 26 अक्टूबर से 01 नवंबर 2026 तक किया जाएगा। इस वर्ष की थीम 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' है। इसका उद्देश्य कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही, ईमानदारी एवं नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना तथा भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता की भावना को मजबूत करना है। संगोष्ठी के दौरान सतर्कता संबंधी मामलों के प्रभावी निराकरण, लंबित शिकायतों एवं प्रकरणों के शीघ्र निपटारे, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, डिजिटल पहलों तथा अनुबंध प्रबंधन में पारदर्शिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष जोर दिया गया। इन विषयों के माध्यम से रेल प्रशासन में सुशासन, जवाबदेही एवं कार्यकुशलता को और अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया गया। कार्यक्रम में पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय से आए सतर्कता अधिकारियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर भोपाल मंडल कार्यालय एवं विभिन्न डिपो के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ सीआरडब्ल्यूएस, गतिशक्ति इकाई एवं निर्माण विभाग, भोपाल के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। ईमानदारी एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करना तथा संगठन में पारदर्शी और जवाबदेह कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करना रहा।

भोपाल को महिलाओं और वृद्धजनों के लिए सेफ सिटी बनाने वार्ड स्तर पर गठित होंगी समितियां : कलेक्टर

अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का सशक्त माध्यम : महापौर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान - 2026 के अंतर्गत शुक्रवार को भोपाल नगर निगम के वार्ड क्रमांक 48 में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती मालती राय ने कहा कि 07 अगस्त से प्रारंभ हुआ मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उत्कृष्ट, संवेदनशील एवं दूरदर्शी सोच का परिणाम है। प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होने वाले ये शिविर भोपाल सहित पूरे प्रदेश में जनकल्याण का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। प्रदेश सरकार समाज के अंतिम छोर पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए संकल्पित है। यह अभियान सुशासन और जनसेवा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का परिचायक है। महापौर श्रीमती राय ने कहा कि सरकार आपके द्वार की भावना के अनुरूप नगर निगम एवं विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। संभाग आयुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि भोपाल शहर को हरा-भरा, स्वच्छ एवं सुंदर बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित विभागों को मिलकर समन्वित प्रयास करने होंगे, ताकि शहर की सुंदरता और हरियाली को और बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि आगामी समय में भोपाल में आयोजित होने वाली ल्ढ्ढस्-समिट शहर के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस समिट के माध्यम से भोपाल को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। सभी के सामूहिक प्रयासों से भोपाल का नाम देश-विदेश में रोशन होगा। उन्होंने शहर के विकास, सौंदर्यीकरण एवं हरियाली बढ़ाने के लिए सभी से सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। भोपाल को महिलाओं एवं वृद्धजनों के लिए सेफ सिटी बनाने वार्ड स्तर पर गठित होंगी समितियांकलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने कहा कि भोपाल को महिलाओं एवं वृद्धजनों के लिए सुरक्षित शहर बनाने के उद्देश्य से प्रशासन पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विशेष अभियान चलाएगा। इसके अंतर्गत सभी वार्डों में समितियों का गठन किया जाएगा। इन समितियों में जनप्रतिनिधियों के साथ शासन, प्रशासन एवं पुलिस के संयुक्त दल शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं वृद्धजनों की सामाजिक सुरक्षा, देखरेख तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए समन्वित प्रयास किए जाएंगे।कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का मूल उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुगम बनाकर आमजन तक शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से पहुंचाना है। उन्होंने नागरिकों से शिविरों में अपने आवेदनों का पंजीयन कराने की अपील की, ताकि उनका त्वरित एवं व्यवस्थित निराकरण किया जा सके।

फाउंडेशन द्वारा साइबर जागरूकता एवं कार्य बल पर एक माह प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

■ एक सत बुलेटिन, **बैरसिया।**



स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय बैरसिया में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026 को एनआईआईटी फाउंडेशन दिल्ली द्वारा प्रायोजित एक माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। 'साइबर स्मार्ट जागरूकता, एआई प्राइम एवं कार्यबल' विषय पर आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल तकनीक साइबर सुरक्षा और रोजगारपरक कौशलों से अवगत कराना है। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.राजू तिलन्थे द्वारा मां सरस्वती की पूजाअर्चना कर दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया इस अवसर पर एनआईआईटी फाउंडेशन से आए प्रशिक्षक राजवर्धन सिंह का तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ.राजू तिलन्थे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम नई तकनीकों को सीखने और अपने कौशल को विकसित करने का बेहतर अवसर प्रदान करते हैं। विद्यार्थियों को प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाकर भविष्य में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया।महाविद्यालय के आईक्यूएसी समन्वयक डॉ.शोएब खान ने वर्तमान डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा, डिजिटल जागरूकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीक का सुरक्षित, जागरूक एवं उपयोगी तरीके से इस्तेमाल करने के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया। एक माह तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा,डिजिटल जागरूकता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग तथा रोजगार से जुड़े आवश्यक कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बीडीए के विद्या नगर कार्य फेस-2 एवं 3 का संभागायुक्त ने किया निरीक्षण

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



भोपाल विकास प्राधिकरण अध्यक्ष एवं संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने शुक्रवार को प्राधिकरण के विद्या नगर फेस-2 एवं फेस-3 सम्बन्धी कार्यो का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यो की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से कार्यो की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप तथा तय समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि क्षेत्र के रहवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से कार्यो की वर्तमान स्थिति, शेष कार्य और उनकी समय-सीमा के संबंध में जानकारी ली। साथ ही आवश्यक कार्यो को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने कहा कि विकास प्राधिकरण की योजनाओं में नागरिक सुविधाओं का विस्तार और अधोसंरचना का बेहतर विकास प्राथमिकता है। निर्माण कार्यो में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से स्थल निरीक्षण कर कार्यो की गुणवत्ता और प्रगति की निगरानी करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर भोपाल विकास प्राधिकरण के कार्यपालन यंत्री श्री नवीन श्रीवास्तव एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

26 अक्टूबर को लाल परेड ग्राउंड पर होने वाले एक करोड़ अर्चन को लेकर प्रशासन की सक्रियता बढ़ी

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



शहर के लाल परेड ग्राउंड में संत श्री रावतपुरा सरकार महाराज जी के सानिध्य में शरद पूर्णिमा के अवसर पर 26 अक्टूबर को होने वाले अर्चन की तैयारियों का दौर लगातार जारी है। आज इसी क्रम में जनप्रतिनिधियों के साथ प्रशासनिक अमले के आला अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरिक्षण कर कार्यक्रम के दौरान की जाने वाली प्रशासनिक तैयारियों के ब्लू प्रिंट को आकार दिया। कैबिनेट मंत्री श्री विश्वास सारंग के साथ भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधायक श्री भगवानदास सबनानी, महापौर श्रीमती मालती राय, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री मुकेश नायक एवं श्री राजीव सिंह, पूर्व विधायक श्री संजय शर्मा, भोपाल कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा, निगमायुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार, भोपाल पुलिस आयुक्त श्री संजय कुमार, डीसीपी श्रीमती रश्मि अग्रवाल दुबे सहित विद्युत मंडल एवं लोक निर्माण विभाग अधिकारियों ने लाल परेड ग्राउंड का निरीक्षण कर माँ राजराजेश्वरी हरिद्रा कोटि कुंकुमार्चन महाअनुष्ठान की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान जल, एंबुलेंस, यातायात एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। आपको बता दें कि माँ राजराजेश्वरी कोटि कुंकुमार्चन अनुष्ठान में लगभग 50000 भक्त एक साथ बैठकर माँ का एक करोड़ अर्चन करेंगे। काशी, हरिद्वार, वृन्दावन के साथ श्री रावतपुरा सरकार देवस्थानम के मुख्य वैदिक आचार्यों के साथ 1100 आचार्य इस महानुष्ठान को सम्पन्न कराएंगे। स्वसिद्धि प्रदान करने वाला कलयुग का यह सबसे प्रभावी अनुष्ठान है। जिसमे कोई भी व्यक्ति भारतीय पारम्परिक वेशभूषा धारण कर शाम 5.30 बजे तक लाल परेड ग्राउंड पहुंचकर अपना स्थान ग्रहण कर सकते है। यह आयोजन पूरी तरह निशुल्क है इस अनुष्ठान में उपयोग होने वाली सम्पूर्ण सामग्री श्री रावतपुरा सरकार लोक कल्याण ट्रस्ट द्वारा प्रदान की जाएगी।

'मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान' के उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में 'संपर्क अभियान 2026' को मिली बड़ी सफलता

6976 शिविरों में 3 लाख 3 हजार 400 शिकायतों का मौके पर निराकरण

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का उनके घर के नजदीक त्वरित समाधान उपलब्ध कराने तथा मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित 'संपर्क अभियान 2026' को उल्लेखनीय सफलता मिली है। 14 मई से प्रारंभ हुए इस विशेष अभियान के अंतर्गत भोपाल एवं ग्वालियर रीजन के 16 जिलों में अब तक 6,976 विशेष शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 3 लाख 3 हजार 400 उपभोक्ताओं की शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया। अभियान के माध्यम से उपभोक्ताओं को स्थानीय स्तर पर सुविधाजनक एवं त्वरित समाधान उपलब्ध कराते हुए विद्युत सेवाओं में पारदर्शिता, सुगमता और उपभोक्ता संतुष्टि को बढ़ावा दिया जा रहा है। भोपाल रीजन के अंतर्गत शहर वृत्त भोपाल में 518 शिविरों में 33,128 शिकायतों का निराकरण किया गया। बैतूल (ओ एंड एम) वृत्त में 628 शिविरों में 40,571 शिकायतों का निराकरण, भोपाल (ओ एंड एम) वृत्त में 355 शिविरों में 13,324 शिकायतों का निराकरण, हरदा वृत्त में 190 शिविरों में 22,576 शिकायतों का निराकरण, नर्मदापुरम वृत्त में 481 शिविरों में 33,875 शिकायतों का निराकरण, रायसेन वृत्त में 357 शिविरों में 20,379 शिकायतों का निराकरण, राजगढ़ वृत्त में 501 शिविरों में 7,893 शिकायतों का निराकरण, सीहोर वृत्त में 455 शिविरों में 10,990 शिकायतों का निराकरण तथा विदिशा वृत्त में 306 शिविरों में 16,549 शिकायतों का निराकरण किया गया। ग्वालियर रीजन के अंतर्गत शहर वृत्त ग्वालियर में 397 शिविरों में 10,021 शिकायतों का निराकरण किया गया। अशोकनगर (ओ एंड एम) वृत्त में 198 शिविरों में 20,957 शिकायतों का निराकरण, भिंड वृत्त में 399 शिविरों में 7,852 शिकायतों का निराकरण, दतिया वृत्त में 234 शिविरों में 9,552 शिकायतों का निराकरण, गुना वृत्त में 361 शिविरों में 11,825 शिकायतों का निराकरण, ग्वालियर (ओ एंड एम) वृत्त में 334 शिविरों में 5,665 शिकायतों का निराकरण, मुरैना वृत्त में 524 शिविरों में 21,586 शिकायतों का निराकरण, श्योपुर वृत्त में 266 शिविरों में 6,527 शिकायतों का निराकरण तथा शिवपुरी वृत्त में 472 शिविरों में 10,130 शिकायतों का निराकरण किया गया। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं की शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान करना है। शिविरों में मुख्य रूप से त्रुटिपूर्ण बिल, मीटर रीडिंग एवं अन्य बिलिंग संबंधी शिकायतों का तत्काल निराकरण किया गया। साथ ही मात्र 5 रुपये में नवीन ग्रामीण घरेलू एवं कृषि पंप कनेक्शन प्रदान किए गए। इसके अलावा भार वृद्धि, नाम परिवर्तन, श्रेणी परिवर्तन, स्थायी कनेक्शन विच्छेदन, अस्थायी कनेक्शन, ई-केवाईसी, अनापत्ति प्रमाण-पत्र (ह्हष्ट), बंद/खराब मीटर बदलना, स्मार्ट मीटर संबंधी शिकायतों का निराकरण, सर्विस केबल सुधार, वोल्टेज संबंधी समस्याओं का समाधान, ट्रांसफार्मर से जुड़ी शिकायतों का निराकरण, बिजली बिलों का आंशिक एवं पूर्ण भुगतान, अग्रिम भुगतान पर छूट, बकाया राशि जमा कराने सहित विभिन्न जनहितैषी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ प्रदान किए गए।

संपादकीय

सियासी समीक्षा का दौर शुरू

अगले विधानसभा चुनाव की कुछ शर्तें तय हो रही हैं और यह एक रूटीन सी है कि सत्ता अपना चौथा साल इस लिहाज से जाहिर करे। विपक्ष का कदमताल अपनी संगठन की ताकत का हिसाब दे। हिमाचल में एक हिसाब केंद्र बनाम राज्य की पटरी पर खड़े अवरोधों का भी होगा। कर्मचारियों की शिनाख्त में सरकार के फैसलों का महाकुंभ दिखाई दे, इसलिए वहीं पुरानी गंगा में कुछ पाप धुलेंगे। राजनीति का अपना ढर्रा है और इसलिए मुकाबला यह कि किस पार्टी में अधिक गुट हैं। अनूठे मिलन समारोह और आतंरिक रार की तहों में फिसलते समीकरण। कुल मिलाकर अब राजनीतिक समीक्षा का यह दौर मुकाबलों की नई फेहरिस्त पैदा करेगा। कांग्रेस और भाजपा के बीच संयोजकों के तहत किलेबंदियां।

भाजपा अपने प्रचार के औजार पैने कर रही है, तो कांग्रेस की जमात वोट बचाओ, देश बचाओ के साहसिक कदम उठाती हुई दिखाई देगी। महत्त्वपूर्ण यह नहीं कि सियासी युद्ध किस करवट बैठेंगे, बल्कि यह है कि सत्ता अपना राजनीतिक अनुष्ठान कैसे करती है। सरकार के पास रिपोर्ट कार्ड है, जिसका इस्तेमाल पंचायत, शहर से समूचे प्रदेश तक हो सकता है। नई पंचायतों की गणना के तिलक अगर ठौर बनाने तक सफल हो गए तो यह कवायद याद की जाएगी। नगर निकाय अगर नागरिक सहूलियतों में इजाफा कर पाएंगे, तो सरकार की पदवी संभल जाएगी। ऐसे में सरकार को अपने फैले हुए प्रयासों को समेटना होगा और बजट की लागत से खड़े किए गए स्तंभों को अच्छे से पेंट करना होगा। बेशक सरकार ने कई मॉडल बनाने शुरू किए, जिन्हें अब पूर्ण रूप से पेश करना होगा। गारंटियों के राजनीतिक दौर अब आगामी चुनाव की फतह को प्रदर्शित करने का जरिया बन सकते हैं और सरकार अगर इसे फामूर्ला रेस की तरह निभा पाई तो अंतर देखा जाएगा। राजनीति खुद को देखने के साथ-साथ कर्मचारी वर्ग को कितना देख पाती है, यह एक गोल्डन रूल सदा रहा है।

हिमाचल के विधानसभा चुनावों से मुख्यमंत्रियों की ताकत ऐसे फैसलों में महसूस होती रही है, जो अति उदार और लोकप्रियता के मानकों पर आधारित होती है। जाहिर है सुखविंदर सुक्खू भी अपनी महिमा के अनुरूप जनता की ऐसी जिज्ञासा को शांत करने का प्रयास कर रहे हैं। अंततः जनता क्या देखना चाहेगी यह तय करना विपक्ष में जिम्मेदारी का एहसास रहा है। बतौर नेता विपक्ष जयराम ठाकुर सरकार के विरोध में अपनी पताका फहराते हुए कहां पहुंचे, इसका अवलोकन ही बता पाएगा कि भाजपा में कौनसा गुट भारी है।

कम से कम यह तो दिखाई देता है कि जयराम ठाकुर की मुलाकातें दिल्ली में प्रधानमंत्री के कक्ष में सुकून से होती हैं। एक गणित उन्हें दिल्ली दरबार से तमाम उत्तराधिकार और दायित्व प्रदान करता हुआ दिखाई देता है। दूसरी तरफ राजनीतिक व प्रशासनिक तौर पर सशक्त बनकर उभरे सुखविंदर सिंह सुक्खू भी कांग्रेस के मॉडल में अपनी जगह की मजबूती से आगामी चुनाव को देख रहे हैं। ऐसे में क्या पिछले चार साल का राजनीतिक दौर ही आगामी चुनाव का आमना सामना करेगा। क्या प्रदेश के पूर्व में सुखविंदर सिंह सुक्खू या पश्चिम में जयराम ठाकुर होंगे या उत्तर-दक्षिण ध्रुव बदलेंगे। जो भी हो चार वर्ष के खाके में सत्तारूढ़ दल की सारी कर्मठता, कार्यसंस्कृति और क्षमता सुक्खू के हाथों में है। दूसरी ओर जयराम ठाकुर भी अपनी जमीन से अगर इंच भी पीछे नहीं हटे, तो आगे बढ़ते उनके अरमान हमेशा दो दो हाथ करते रहे हैं। अब देखना यह है कि भाजपा अपने केंद्र से कितनी शक्ति-कितनी ऊर्जा जयराम को देती है या केंद्र सरकार के कौन से फैसले हिमाचल को मरहम लगाते हैं। दूसरी ओर सुक्खू का रिपोर्ट कार्ड 68 विधानसभा क्षेत्रों में कितनी ग्रीन बसें या हेलिकॉप्टर उड़ाता है। प्रदेश में इस बार फोरलेन का जाल, उड़ान योजना की उड़ान या बनते संवरते गगल एयरपोर्ट का भी हिसाब होगा। यही हिसाब सरकार के मंत्रियों और भाजपा के कार्यकताओं के बीच भी होगा। यहां दोनों पार्टियों की अपनी-अपनी परंपराओं और पृष्ठ भूमि पर भी बहस का दौर शुरू हो रहा है। क्या दूसरी बार सुक्खू या हर बार जयराम के बीच अंतिम वर्ष की पैमाइश शुरू हो रही है या होगी, यह काफी हद तक हिमाचल के मध्यवर्गीय मतदाता पर निर्भर करेगा।

कॉकरोच जनता पार्टी : सियासी बुलबुला या सैलाब

राधा रमण

> सीजेपी का आगाज अच्छा रहा लेकिन अंजाम दिशाहीन हो गया लगता है। शिक्षामंत्री पद से धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अभिजीत दीपके और उनकी टीम के नेता अपने को बिना चुनावी राजनीति में उलझे सुपर सरकार मानने लगे। विपक्षी पार्टियां भी मन से, बेमन से उनके पीछे-पीछे चलने लगीं। कारण यह कि विपक्ष सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरकर आंदोलन करने की हालत में नहीं रह गया।

भारतीय लोकतंत्र में सियासी पार्टियों का बनना-बिगड़ना कोई नई बात नहीं है। हर चुनाव से पहले कुछ नई पार्टियां, कुछ नए चेहरे, कुछ नए नारे और कुछ नए झंडे सामने आते रहे हैं। उनमें से कुछ को हम गंभीरता से लेते हैं और कुछ को कोस कर भूल जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की बेरोजगारों से संबंधित एक टिप्पणी में ह्यकॉकरोचह्न शब्द से निकली सोशल मीडिया की पार्टी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) वैसी ही एक पार्टी है। हालांकि उसके संयोजक अमेरिका रिटर्न महाराष्ट्र के संभाजीनगर निवासी अभिजीत दीपके यह दावा करते हैं कि सीजेपी चुनावी राजनीति से दूर रहनेवाली एक प्रेशर ग्रुप है। लेकिन सीजेपी के पदाधिकारियों के ख्वाब बड़े हैं। नीट पेपरलीक मामले में केन्द्रीय शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफा दे देने के बाद तो उनकी महत्वाकांक्षा और भी कुलांचे मारने लगी है।

मोदी सरकार के कार्यकाल में यह पहला मौका था, जब सरकार को मांगें माननी पड़ी वरना पिछले 12 वर्षों से तो लोगबाग केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की पूर्व में कही बात को ही सच मान बैठे थे कि यह अलग मिजाज की सरकार है, यहां इस्तीफा नहीं होता है। देश ने देखा कि चाहे विवाद में फंसने पर तत्कालीन राज्यमंत्री कौशल किशोर का मामला हो, बाहुबली ब्रजभूषण शरण सिंह का, अजय मिश्र टेनी का अथवा हरदीप सिंह पुरी का, विपक्ष के चौतरफा दबाव के बावजूद सरकार की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ा। किसी का इस्तीफा नहीं हुआ लेकिन सीजेपी के एक धरने ने सरकार को सोचने के लिए विवश कर दिया।

कॉकरोच नाम भले ही मजाकिया लगे पर इसके पीछे का गुस्सा और अनुभव बहुत गहरा है। कॉकरोच का स्वभाव क्या है? वह अंधेरे में रहता है, गंदगी में पनपता है, रोशनी पड़ते ही भागता है, मारो तो और तेजी से फैलता है। सबसे बड़ी बात- उसकी प्रजाति कभी खत्म नहीं होती। यही दावा अभिजीत दीपके भी करते हैं।

सीजेपी का आगाज अच्छा रहा लेकिन अंजाम दिशाहीन हो गया लगता है। शिक्षामंत्री पद से धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अभिजीत दीपके और उनकी टीम के नेता अपने को बिना चुनावी राजनीति में उलझे सुपर सरकार मानने लगे। विपक्षी पार्टियां भी मन से, बेमन से उनके पीछे-पीछे चलने लगीं। कारण यह कि विपक्ष सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरकर आंदोलन करने की हालत में नहीं रह गया। वहां कार्यकर्ता कम नेता अधिक हो गए हैं। सीजेपी को यह स्पेस अच्छा दिखा। उसके नेता देशभर के स्कूलों की दशा सुधारने के लिए कई राज्यों में घूमने लगे। राजस्थान में तो पिटे भी, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में विरोध झेला। लेकिन उसके पहले झारखंड में छात्रों के आंदोलन से दूरी बना ली। पंजाब के स्कूलों की बेहतरी की बात करने लगे। इससे संदेह गहराया।

पड़ताल में पता चला कि सीजेपी के पूरे नेतृत्व का पूर्व में आम आदमी पार्टी से जुड़ाव रहा है। इससे सरकार को उन्हें घेरने का बढ़िया मौका मिल गया। उधर, गाहे बगाहे सीजेपी के लोग अदालतों के खिलाफ भी बेवजह की टिप्पणी करने लगे। इससे भी लोगों का मोहभंग हुआ।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पिछले सवा साल से चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोले हुए थे लेकिन उन्हें विपक्षी दलों का भी भरपूर समर्थन नहीं मिलता था। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव भले कुछ दिन राहुल के साथ चले लेकिन बाद के दिनों में चुनाव में टिकट बांटने और प्रचार कार्य में लगे रहे। उन्हें उम्मीद थी कि वह अकेले ही सरकार बना लेंगे। यही स्थिति पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की थी। महाराष्ट्र में शरद पवार और संजय राउत सिर्फ एक्स पर बयान देकर अपना कर्तव्य निभा गए। दक्षिण और पूर्वोत्तर में भी यही हालात थे। अखबार में खबर छपने के बाद और चुनावों में बुरी तरह हार जाने के बाद विपक्ष गोलबंद हुआ। ऐसे में सीजेपी के नेताओं को लगा कि बहती गंगा में हाथ धो लें तो विपक्ष के सिरमौर हो जाएंगे।

उधर, पहले से तैयार सरकार कॉकरोचों को नेस्तनाबूद करने के लिए तैयार बैठी थी। 10 अक्टूबर को अभिजीत दीपके, सौरभ दास और आशुतोष रांका को दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचते गिरफ्तार कर लिया। दूसरे दिन रिहा किया तो शांति बनाए रखने की शर्तों के साथ बेल बांड भरवाकर छोड़ा। यही कारण है कि 14 अक्टूबर को दोबारा जंतर-मंतर पर गिरफ्तार होने के बाद सौरभ दास और आशुतोष रांका को जेल से जमानत मिलने में हफ्तेभर से ज्यादा समय लग गया। सीजेपी के एक और रणनीतिकार अकिंज्य शिंदे भी शर्तों के साथ बेल बांड भरकर ही बाहर आए हैं। इससे कॉकरोच जनता पार्टी के सामने कई मुश्किलें दिख रही हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने उन्हें जेन जी मानने से इनकार कर दिया है। शर्तों के अनुसार आगे की आंदोलन के लिए उन्हें पुलिस की अनुमति लेनी होगी। पुलिस अनुमति देगी तो नए शर्तों के साथ देगी। शर्तों को तोड़ा तो फिर जेल जाना होगा। ऐसे में कानूनी बेड़ियों के साथ अब उनके लिए आंदोलन की राह और कठिन हो गई है। इन सबके बीच बड़ा सवाल यह कि कॉकरोच जनता पार्टी की कोशिशें बुलबुला बनकर रह जाएंगी अथवा सड़कों पर अराजकता फैलाकर देश के लोकतांत्रिक स्वरूप को अस्थिरता की बाढ़ में डुबो देंगी।

लद्दाख की पुकार, संघवाद की परीक्षा

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 371अ नागालैंड की धार्मिक-सामाजिक परंपराओं, प्रथागत कानूनों और भूमि-संसाधनों से जुड़े कुछ विशेष संरक्षणों का उदाहरण है। इसी प्रकार छठी अनुसूची असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के निर्दिष्ट जनजातीय क्षेत्रों में स्वायत्त जिला एवं क्षेत्रीय परिषदों की व्यवस्था करती है। हालांकि इन प्रावधानों की अपनी अलग संवैधानिक सीमाएं हैं, फिर भी वे बताते हैं कि भारत का संघवाद स्थानीय विविधताओं को स्वीकार करने की क्षमता रखता है। लद्दाख के संदर्भ में छठी अनुसूची के अंतर्गत संरक्षण की मांग इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे स्थानीय समुदायों को भूमि, संस्कृति और परंपरागत संस्थाओं से जुड़े विषयों पर अधिक प्रभावी भूमिका मिल सकती है।



भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संघवाद का अर्थ केवल केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन नहीं बल्कि विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं, सांस्कृतिक पहचान और लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का सम्मान करना भी है। देश के सभी क्षेत्रों पर एक समान प्रशासनिक व्यवस्था लागू करने के बजाय उनकी ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप अलग-अलग स्तर की स्वायत्तता प्रदान करना असममित संघवाद कहलाता है। भारतीय संविधान में इसकी अभिव्यक्ति पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों के लिए विशेष प्रावधानों, छठी अनुसूची तथा विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप बनाई गई व्यवस्थाओं में दिखाई देती है। लद्दाख की स्वायत्तता और संवैधानिक संरक्षण की मांग इसी व्यापक संवैधानिक दृष्टिकोण की प्रासंगिकता को रेखांकित करती है।

अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन के बाद लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा दिया गया। इससे क्षेत्र का प्रशासनिक स्वरूप तो बदला लेकिन इसके साथ ही स्थानीय लोगों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व, भूमि अधिकारों, सरकारी नौकरियों, सांस्कृतिक पहचान और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़े प्रश्न भी अधिक मुखर हुए। वर्तमान व्यवस्था में लद्दाख के पास अपनी निर्वाचित विधानसभा नहीं है। प्रशासन का संचालन उपराज्यपाल के माध्यम से होता है, जबकि लेह और कारगिल की पर्वतीय विकास परिषदें स्थानीय शासन में भूमिका निभाती हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या प्रशासनिक पुनर्गठन के साथ स्थानीय जनता की लोकतांत्रिक भागीदारी और निर्णय लेने की क्षमता भी पर्याप्त रूप से मजबूत हुई है?

लद्दाख की मांगों को समझने के लिए उसके भूगोल और समाज की विशिष्टताओं पर ध्यान देना आवश्यक है। विशाल पर्वतीय क्षेत्र, सीमित कृषि योग्य भूमि, जलवायु परिवर्तन की तीव्र चुनौतियां, नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकी और विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराएं इसे देश के अन्य क्षेत्रों से अलग बनाती हैं। यहां की आबादी का बड़ा हिस्सा जनजातीय समुदायों से संबंधित है। भोटी और पुरगी जैसी भाषाएं, पारंपरिक सामुदायिक संस्थाएं, धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत तथा स्थानीय जीवनशैली इस क्षेत्र की पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यदि विकास की नीतियां स्थानीय परिस्थितियों और समुदायों की भागीदारी को पर्याप्त महत्व दिए बिना बनाई जाती हैं तो आर्थिक प्रगति और सांस्कृतिक संरक्षण के बीच असंतुलन पैदा हो सकता है।

यहीं असममित संघवाद की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इसका मूल सिद्धांत यह है कि राष्ट्रीय एकता बनाए रखने के लिए हर क्षेत्र को एक जैसी संवैधानिक या प्रशासनिक व्यवस्था में बांधना अनिवार्य नहीं है। आवश्यकतानुसार अलग-अलग क्षेत्रों को विशिष्ट अधिकार और संस्थागत संरक्षण देकर लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाया जा सकता है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 371अ नागालैंड की धार्मिक-सामाजिक परंपराओं, प्रथागत कानूनों और भूमि-संसाधनों से जुड़े कुछ विशेष संरक्षणों का उदाहरण है। इसी प्रकार छठी अनुसूची असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के निर्दिष्ट जनजातीय क्षेत्रों में स्वायत्त जिला एवं क्षेत्रीय परिषदों की व्यवस्था करती है। हालांकि इन प्रावधानों की अपनी अलग संवैधानिक सीमाएं हैं, फिर भी वे बताते हैं कि भारत का संघवाद स्थानीय विविधताओं को स्वीकार करने की क्षमता रखता है।

लद्दाख के संदर्भ में छठी अनुसूची के अंतर्गत संरक्षण की मांग इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे स्थानीय समुदायों को भूमि, संस्कृति और परंपरागत संस्थाओं से जुड़े विषयों पर अधिक प्रभावी भूमिका मिल सकती है। जनजातीय स्वायत्तता का उद्देश्य केवल सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करना नहीं बल्कि समुदायों को अपने सामाजिक और आर्थिक भविष्य से संबंधित निर्णयों में भागीदार बनाना भी है।

स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप संस्थागत अधिकार मिलने से बाहरी दबावों के बीच पारंपरिक आजीविकाओं और सामुदायिक संसाधनों की रक्षा करने में सहायता मिल सकती है। भूमि और रोजगार की सुरक्षा भी इस मांग का महत्वपूर्ण आधार है। लद्दाख में भूमि केवल आर्थिक संपत्ति नहीं, बल्कि आजीविका, सांस्कृतिक निरंतरता और सामुदायिक अस्तित्व से जुड़ा विषय है। पर्यटन, आधारभूत संरचना, ऊर्जा परियोजनाओं और अन्य विकास गतिविधियों के विस्तार के बीच स्थानीय निवासियों की आशंकाओं को दूर करना आवश्यक है। संवैधानिक सुरक्षा और स्पष्ट कानूनी व्यवस्था स्थानीय भूमि अधिकारों की रक्षा कर सकती है तथा सरकारी रोजगार में स्थानीय युवाओं के अवसरों को मजबूत कर सकती है। इससे विकास के लाभों का अधिक न्यायसंगत वितरण संभव होगा। लद्दाख की पारिस्थितिकी के संदर्भ में भी स्थानीय स्वायत्तता का विशेष महत्व है। हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियरों का पिघलना, जल संकट, अनियमित वर्षा और पर्यावरणीय दबाव पहले से गंभीर चुनौतियां हैं। अनियंत्रित पर्यटन और अव्यवस्थित निर्माण इन समस्याओं को और बढ़ा सकते हैं। स्थानीय समुदायों को योजना निर्माण, जल प्रबंधन, चरागाहों के संरक्षण और पर्यावरणीय प्रभावों के आकलन में वास्तविक अधिकार दिए जाएं तो विकास की नीतियां अधिक टिकाऊ बन सकती हैं। इस दृष्टि से स्वायत्तता केवल राजनीतिक मांग नहीं बल्कि पर्यावरणीय न्याय और भावी पीढ़ियों के अधिकारों से जुड़ा प्रश्न भी है। हालांकि लद्दाख को अधिक स्वायत्तता प्रदान करने की राह चुनौतियों से मुक्त नहीं है। यह क्षेत्र चीन और पाकिस्तान से लगी संवेदनशील सीमाओं के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। रक्षा संबंधी आवश्यकताओं, सीमावर्ती आधारभूत संरचना और रणनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए किसी भी व्यवस्था का निर्माण करना होगा। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक अधिकारों को परस्पर विरोधी मानना उचित नहीं है। स्थानीय आबादी का विश्वास, सहयोग और भागीदारी सीमावर्ती क्षेत्रों की स्थिरता को मजबूत कर सकते हैं।

संवैधानिक दृष्टि से भी सावधानी आवश्यक है। छठी अनुसूची वर्तमान में लद्दाख पर लागू नहीं होती इसलिए इसे लागू करने के लिए उपयुक्त संवैधानिक प्रक्रिया और स्पष्ट कानूनी व्यवस्था की आवश्यकता होगी। अनुच्छेद 371 के अंतर्गत किसी विशेष प्रावधान की मांग पर भी संवैधानिक व्यवहार्यता, आवश्यक संशोधनों और संबंधित प्रावधानों की प्रकृति के आधार पर विचार करना होगा। केवल विशेष दर्जे की घोषणा पर्याप्त नहीं होगी; उसके साथ स्पष्ट अधिकार, जवाबदेही, वित्तीय संसाधन और प्रभावी संस्थागत व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी। इसके अतिरिक्त, लेह और कारगिल की सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक प्राथमिकताओं में अंतर समझना जरूरी है। किसी भी स्वायत्त व्यवस्था को दोनों क्षेत्रों के लिए न्यायसंगत प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना चाहिए। यदि निर्णय लेने की प्रक्रिया में किसी एक क्षेत्र या समुदाय का प्रभाव अधिक हो जाता है तो स्वायत्तता का उद्देश्य ही कमजोर पड़ सकता है।

न्यूज ब्रीफ

सम्राट मिहिर भोज की मूर्ति पर लिखी जाति से जुड़े मामले की सुनवाई टली

ग्वालियर। सम्राट मिहिर भोज की मूर्ति पर लिखी जाति से जुड़े विवाद के मामले में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के अनुरोध पर सुनवाई अब 30 नवंबर तक के लिए टाल दी गई है। न्यायालय ने सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट किया है कि याचिका के अंतिम निराकरण तक 24 सितंबर 2021 को जारी किया गया पुराना आदेश ही प्रभावी रहेगा। गौरतलब है कि ग्वालियर के गिरवाई नाका चिरवाई रोड पर स्थापित सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा के नामपट्ट पर 'गुर्जर' शब्द लिखे जाने के बाद से ही यह पूरा विवाद शुरू हुआ था, जिस पर लगातार कानूनी प्रक्रिया जारी है।

मां की मौत के बाद गिलहरी के बच्चों को बचाने 15 किमी दूर पहुंचे गंगा सिंह

ग्वालियर। जीव-जंतुओं से स्नेह और उनकी चिंता करने वाले ऐसे कम ही दिखते होंगे। ग्वालियर के बड़ागांव निवासी गंगा सिंह गिलहरी के तीन हाल के जन्मे बच्चों को लेकर घर से 15 किमी दूर डीएफओ कार्यालय पहुंच गए। यहां आने का मकसद यह था कि गिलहरी यानी बच्चों की मां की करंट से मौत होने के बाद बच्चे कहीं मर न जाएं इसलि वन विभाग को सुपुर्द करने पहुंचे। गंगा सिंह गिलहरी के बच्चों के चलने फिरने तक खुद देखरेख करेंगे यहां वन अधिकारियों से चर्चा की तो पता चला कि वन विभाग के कार्यालय में इस तरह रखरखाव की व्यवस्था नहीं है तो गंगा सिंह दोबारा गिलहरी के तीन बच्चों को अपने साथ घर ही ले गए। वे अब बच्चों के चलने फिरने तक खुद देखरेख करेंगे। दो दिन पहले करंट से मर गई थी बच्चों की मां गिलहरी गंगा सिंह ने बताया कि दो रोज पहले उनके घर के परिसर में करंट से अचानक एक गिलहरी मर गई थी, बाद में देखा तो गिलहरी ने पांच बच्चे दिए थे जो वहीं रेंग रहे थे उनकी आंखे भी नहीं खुलीं थीं।

देवगढ़ किले से हटाई गईं तोपों को वापस स्थापित करने की मांग

ग्वालियर। डबरा तहसील क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक पथरीगढ़ (देवगढ़) किले से हटाई गई दो तोपों को वापस उनके मूल स्थान पर रखने की मांग फिर सामने आई है। श्री क्षत्रधारी आश्रम, सिद्ध रतनगढ़ धाम की ओर से इस संबंध में स्टेशन हेड क्वार्टर मुरार, जिला ग्वालियर के प्रशासनिक कमांडेंट को पत्र सौंपा गया है। पत्र में विजयदशमी और दीपावली के अवसर पर परंपरागत रूप से तोपों की पूजा-अर्चना करने के लिए अनुमति देने और दोनों तोपों को वापस किले पर स्थापित करने का आग्रह किया गया है। आश्रम की ओर से भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2013 में पथरीगढ़ (देवगढ़) किले से दोनों तोपों को हटाया गया था। पत्र के अनुसार तोपों को हटाए जाने के बाद से आश्रम और राजवंशीय परिवार की धार्मिक परंपराओं के निर्वहन में परेशानी आ रही है। आश्रम पक्ष का कहना है कि विजयादशमी और दीपावली के अवसर पर इन तोपों की पूजा-अर्चना की जाती रही है और यह परंपरा उनके लिए विशेष धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व रखती है।

बीमा क्लेम के लिए हादसे में ड्राइवर को चोट लगना जरूरी है या नहीं?

ग्वालियर। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग (उपभोक्ता फोरम) ने वाहन दुर्घटना क्लेम से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में बीमा कंपनी की मनमानी पर कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि केवल इस आधार पर क्लेम खारिज नहीं किया जा सकता कि हादसे में ड्राइवर को चोट नहीं आई थी। आयोग ने कहा, यह कतई आवश्यक नहीं है कि हर हादसे में चालक घायल ही हो। आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद शर्मा एवं सदस्य रेवती रमण मिश्रा की पीठ ने एसबीआइ जनरल इंश्योरेंस कंपनी के क्लेम निरस्तीकरण आदेश को अवैध ठहराते हुए निरस्त कर दिया। साथ ही कंपनी को आदेश दिया है कि वह परिवादी को सर्वेयर द्वारा आकलित क्षतिपूर्ति राशि 2.10 लाख रुपए, मानसिक क्षतिपूर्ति के 3 हजार रुपए और वाद व्यय के रूप में 2 हजार का भुगतान 45 दिन के भीतर करे। राशि न देने पर 6 फीसदी वार्षिक दर से ब्याज चुकाना होगा।बीमा कंपनी ने अपने इन्वेस्टिगेटर की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बचाव में तर्क दिया कि गाड़ी आगे से काफी क्षतिग्रस्त हुई थी, ऐसी स्थिति में चालक को गंभीर चोटें आना स्वाभाविक था। इसलिए माना कि वह गाड़ी नहीं चला रहा था। कंपनी ने आरोप लगाया कि वास्तविक चालक के पासलाइसेंस नहीं होने के कारण फर्जी चालक खड़ा किया।

अल्पसंख्यक नागरिकता की कुंडली टटोल रही सरकार

मप्र में नागरिकता रिकॉर्ड की पड़ताल तेज, गृह विभाग ने मांगा पूरा ब्योरा

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।



मध्य प्रदेश में अल्पसंख्यकों की नागरिकता को लेकर सरकार पड़ताल कर रही है। अल्पसंख्यकों की नागरिकता के कितने आवेदन किस किस जिलों में लंबित हैं, इसको लेकर पूरा डाटा मध्य प्रदेश के गृह विभाग ने मांगा है। इसको लेकर जनगणना के निदेशक से गृह विभाग ने कई बिंदुओं पर जानकारी मांगी है। प्रदेश के महानगरों में नागरिकता आवेदनों को डील करने वाले अधिकारियों के स्तर पर आंकड़ा क्या है, इसके अलावा नान सीएए अल्पसंख्यक संबंधी आवेदन, जिलेवार और प्रदेश में नागरिकता मामले के आवेदनों को लेकर क्या स्थिति है, यह बारीक आंकड़े मांगे गए हैं। गृह विभाग के वरिष्ठ अफसरों को यह पूरी रिपोर्ट जाएगी।

इस जानकारी में इंटेलिजेंस ब्यूरो की रिपोर्ट भी शामिल होगी। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नागरिकता (संशोधन) नियम, 2026 को अधिसूचित किया है, जिससे पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आने वाले गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों (हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई) की नागरिकता से जुड़ी प्रक्रियाओं में बड़े बदलाव किए गए हैं। नए संशोधन के बाद से ही प्रदेशों और जिलों में इसको लेकर सभी मापदंडों पर पड़ताल बढ़ी और नागरिकता आवेदनों को लेकर अलग अलग स्तर से दिशा निर्देश जारी हुए। गृह विभाग ने जनगणना निदेशक से इसको लेकर कई बिंदुओं पर जानकारी विस्तार से मांगी है। जिससे मौजूदा स्थिति के विषय में पूरी जानकारी का चल सके। इंदौर में कुल लंबित मामलों की संख्या 374 है और आईबी रिपोर्ट लंबित का आंकड़ा 31 है। इसी तरह भोपाल में 55, जलबपुर में आठ, रतलाम में सात, उज्जैन में तीन, होशंगाबाद और विदिशा में दो दो व सीहोर,बालाघाट, बैतूल व मंदसौर में एक एक आवेदन लंबित है। इस तरह जिलों में लंबित नागरिकता मामलों का आंकड़ा 460 है। इंदौर में कुल आवेदन संख्या 2896 है। प्रदान की गई नागरिकता 2399 और अस्वीकृत आवेदन 48 है। वहीं लंबित आवेदनों की संख्या 449 है। इसी तरह भोपाल में कुल आवेदन 244, प्रदान की गई स्वीकृति का आंकड़ा 184 और अस्वीकृत आवेदन की संख्या छह है।

मप्र में आंधी-बारिश की चेतावनी, नए सिस्टम से ठंड बढ़ने के संकेत



■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

अक्टूबर महीने के आखिरी दिनों में मध्य प्रदेश के मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है और राज्य में अब धीरे-धीरे ठंड ने दस्तक देना शुरू कर दिया है। हालांकि प्रदेश से मानसून आधिकारिक तौर पर विदा हो चुका है, लेकिन इसके बावजूद मौसम के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं और कई हिस्सों में आंधी-बारिश का दौर अभी भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। विशेष तौर पर राज्य के पश्चिमी हिस्से में पिछले सात दिनों से लगातार बारिश का सिलसिला बना हुआ है, जिससे जनजीवन और कृषि गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। मध्य प्रदेश के मालवा और निमाड़ क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से मौसम का मिजाज लगातार बदला हुआ नजर आ रहा है। इन इलाकों में अचानक हो रही बारिश और नम हवाओं के कारण तापमान में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। मौसम विभाग ने स्थिति को देखते हुए आज यानी शुक्रवार के लिए भी विशेष अलर्ट जारी किया है, जिससे लोगों और प्रशासनिक तंत्र को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। लगातार बारिश और बाद?? छाए रहने से इन क्षेत्रों के तापमान में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। अंचल के प्रमुख शहर ग्वालियर में ठंड ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। यहां रात का तापमान लगातार 18 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है, जिससे रात के समय अच्छी खासी ठंडक महसूस होने लगी है। इसके साथ ही, गुरुवार को दिन के अधिकतम तापमान में भी खासी गिरावट दर्ज की गई। अब धूप में पहले जैसी चुभन या तेज गर्मी महसूस नहीं हो रही है, बल्कि सुहावना मौसम बना हुआ है। शाम ढलते ही ठंडी हवाओं के चलने से लोगों ने अब हल्के गर्म कपड़े पहनने शुरू कर दिए हैं और आने वाले दिनों में ठंड के और अधिक बढ़ने की पूरी संभावना जताई जा रही है।

तंजानिया की छात्रा से 50 हजार की ठगी:वर्क फ्रॉम होम जॉब का झांसा देकर 13 बार में रुपए ट्रांसफर कराए

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर में पढ़ाई कर रही तंजानिया की 22 वर्षीय छात्रा साइबर ठगी का शिकार हो गई। ठगों ने उसे वर्क फ्रॉम होम पार्ट-टाइम जॉब का झांसा देकर 50 हजार रुपए ठग लिए। आरोपियों ने रजिस्ट्रेशन, फाइल चार्ज और वेरिफिकेशन फीस सहित अलग-अलग प्रक्रियाओं के नाम पर 15 और 16 अक्टूबर को व्क्षु4ह्लद्व व्क्षु के जरिए 13 बार में रुपए ट्रांसफर कराए। जब न नौकरी मिली और न रुपए वापस आए, तो छात्रा को ठगी का अहसास हुआ। रुपए वापस मांगने पर आरोपियों ने उसे ब्लॉक कर दिया। शिकायत के बाद सिरोल थाना पुलिस ने शुक्रवार को ई-जीरो दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तंजानिया की रहने वाली हेरियथ जस्टीना ग्वालियर के एक विश्वविद्यालय में स्टूडेंट वीजा पर पढ़ाई कर रही है। वह सिरोल थाना क्षेत्र की एमके सिटी टाउनशिप में अपने भाई के साथ रहती है। पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए वह इंटरनेट पर वर्क फ्रॉम होम जॉब तलाश रही थी।इसी दौरान 15 अक्टूबर को उसे पार्ट-टाइम जॉब का मैसेज मिला। इसमें घर बैठे काम करने और अच्छा मुनाफा कमाने का ऑफर दिया गया था। छात्रा ने इसे असली जॉब ऑफर समझकर स्वीकार कर लिया।जॉब की प्रक्रिया शुरू करने के नाम पर ठगों ने छात्रा से रुपए मांगने शुरू कर दिए। कभी फाइल चार्ज, कभी वेरिफिकेशन फीस तो कभी अन्य प्रक्रिया का हवाला देकर भुगतान करने को कहा गया। आरोपियों के झांसे में आकर छात्रा ने 15 और 16 अक्टूबर 2026 के बीच व्क्षु4ह्लद्व व्क्षु से कुल 13 ट्रांजैक्शन में 50 हजार रुपए भेज दिए। रकम ट्रांसफर करने के बाद भी छात्रा को न नौकरी मिली और न ही उसके पैसे वापस किए गए। इसके उलट, उससे और रुपए मांगे जाने लगे। संदेह होने पर उसने अपनी रकम वापस मांगी, लेकिन आरोपियों ने उसे ब्लॉक कर दिया। इसके बाद छात्रा ने साइबर सेल की हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर सिरोल थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत ई-जीरो दर्ज की है। पुलिस छात्रा के ट्रांजैक्शन और चैट हिस्ट्री की जांच कर रही है। साथ ही, जिन बैंक खातों में रकम ट्रांसफर हुई है, उनके खाताधारकों और आरोपियों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ग्वालियर में शीतला माता मंदिर हादसे की जांच शुरू: प्रत्यक्षदर्शी 26 से 28 तक दे सकेंगे साक्ष्य

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर के ऐतिहासिक शीतला माता मंदिर के मुख्य द्वार पर हुए ट्रक हादसे की मजिस्ट्रियल जांच शुरू हो गई है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रुचिका चौहान ने हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए अपर जिला दंडाधिकारी सीबी प्रसाद को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। प्रशासन ने आम लोगों से हादसे से जुड़े तथ्य, दस्तावेज और साक्ष्य प्रस्तुत करने की अपील की है।हादसा 18 अक्टूबर की रात करीब 1 से 1:30 बजे के बीच हुआ था। मंदिर के मुख्य द्वार के पास तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से 16 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद हादसे के कारणों और संभावित लापरवाही की जांच की मांग उठ रही थी। जांच अधिकारी ष्ठरूसीबी प्रसाद के अनुसार मामले से कोई व्यक्तिगत हित या विवाद नहीं रखने वाले व्यक्ति हादसे से संबंधित जानकारी और साक्ष्य प्रस्तुत कर सकते हैं। साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए प्रशासन ने तीन दिन तय किए हैं। 26, 27 और 28 अक्टूबर को दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक न्यायालय कक्ष क्रमांक 201 ग्वालियर में दे सकेंगे।

टोडोज कैफे में बवाल, डांस फ्लोर पर धक्का-मुक्की के बाद बाहर जमकर चले लाठी-डंडे, चार घायल

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



शहर के इंदरगंज चौराहा स्थित टोडोज कैफे में बीती रात जमकर बवाल हुआ। यहां डांस फ्लोर पर मुंहवाद हुआ। इसके बाद एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर कैफे के बाहर हमला कर दिया। स्कॉर्पियो की भी तोड़फोड़ कर दी गई। इस घटना में चार लोग घायल हैं। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। महाराजपुरा निवासी कौशलेंद्र तोमर अपने तीन साथी दोस्तों अभिषेक, शिवम और प्रवीण के साथ रात को एक पार्टी में शामिल होने स्कॉर्पियो से टोडोज कैफे पहुंचे थे। क्लब के भीतर डांस फ्लोर पर सभी नाच रहे थे। डांस करते वक्त भीड़भाड़ में किसी बात पर एक अन्य गुट के युवकों से उनका धक्का-मुक्की को लेकर विवाद हो गया। मामला बढ़ते-बढ़ते गाली-गलौज और हाथापाई तक पहुंच गया। हालांकि, मौके पर मौजूद बाउंसरों ने तुरंत हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को अलग किया और मामले को शांत कराकर क्लब के भीतर का माहौल संभाल दिया। क्लब के अंदर तो मामला शांत हो गया था, लेकिन दूसरा पक्ष बाहर निकला और अपने अन्य साथियों को बुला लिया। जैसे ही कौशलेंद्र और उनके साथी क्लब से बाहर आए, पहले से घात लगाकर बैठे हमलावरों ने अपनी गाड़ियों से डंडे निकालकर उन पर हमला कर दिया। चारों की जमकर मारपीट की। कौशलेंद्र तोमर के सिर और गर्दन पर गंभीर वार किए गए। अभिषेक की कोहनी और पिंडली पर डंडों से वार किया। शिवम और प्रवीण को भी चोट लगी है। हमलावरों ने इनकी गाड़ी की भी तोड़फोड़ कर डाली। इसके बाद फरार हो गए।दो आरोपितों की पहचान हो गई है।

ग्वालियर से दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु के लिए हवाई सेवाओं का शीतकालीन शेड्यूल लागू

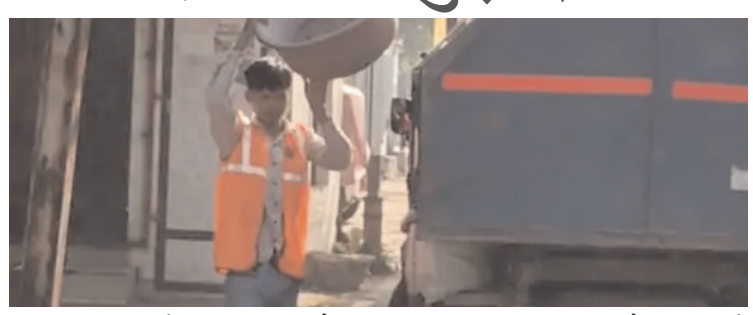
■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयरपोर्ट पर 25 अक्टूबर से शीतकालीन उड़ान अनुसूची लागू हो गई है। नए शेड्यूल में ग्वालियर से दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु के लिए विमान सेवाएं निर्धारित की गई हैं।इंडिगो, अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानों से यात्रियों को इन प्रमुख शहरों तक पहुंचने का विकल्प मिलेगा। ग्वालियर से मुंबई के लिए इंडिगो की उड़ान सप्ताह के सातों दिन शेड्यूल के अनुसार, ग्वालियर से मुंबई के लिए इंडिगो की उड़ान सप्ताह के सातों दिन उपलब्ध रहेगी। यह उड़ान दोपहर 12:15 बजे ग्वालियर पहुंचेगी और 12:50 बजे मुंबई के लिए रवाना होगी। दिल्ली के लिए अकासा एयर सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को उड़ान संचालित करेगी। इंडिगो की दिल्ली सेवा बुधवार, शुक्रवार और रविवार को निर्धारित विमान सुबह 11:15 बजे ग्वालियर पहुंचेगा और 11:50 बजे दिल्ली के लिए रवाना होगा। इंडिगो की दिल्ली सेवा बुधवार, शुक्रवार और रविवार को निर्धारित है। यह उड़ान दोपहर 3:05 बजे ग्वालियर पहुंचेगी और 3:40 बजे दिल्ली के लिए रवाना होगी। बेंगलुरु के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को बेंगलुरु के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को सेवा देगी। विमान दोपहर 3:30 बजे ग्वालियर पहुंचेगा और शाम 4:05 बजे बेंगलुरु के लिए उड़ान भरेगा। यह शेड्यूल 27 मार्च 2027 तक प्रभावी रहेगा। संचालन संबंधित एयरलाइंस की परिचालन परिस्थितियों के अनुसार बदल सकता है।

दीपावली पर देर रात तक खुलेंगे कचरा ट्रांसफर स्टेशन

टिपर वाहनों के बढ़ेंगे फेरे, 29 नए वाहन जुड़ेंगे, त्यौहार से पहले निगम की तैयारी

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



दीपावली पर घरों और दुकानों से निकलने वाले कचरे को समय पर उठाने के लिए ग्वालियर नगर निगम ने खास इंतजाम किए हैं। अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और डिपो प्रभारियों को कचरा ट्रांसफर स्टेशन देर रात तक चालू रखने के निर्देश दिए हैं। टिपर वाहन रात में भी कचरा उठाएंगे। जरूरत के अनुसार उनके दो से तीन फेरे लगवाए जाएंगे। इसके लिए अतिरिक्त ड्राइवरों की व्यवस्था भी की जाएगी। हालांकि, शहर के कई इलाकों में अभी भी कचरे के ढेर लगे हैं और सड़कों पर फैली गंदगी से सफाई व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। दीपावली पर सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और डिपो प्रभारियों को कचरा ट्रांसफर स्टेशन देर रात तक चालू रखने के निर्देश दिए हैं। टिपर वाहनों से रात में भी कचरा उठवाने और जरूरत के अनुसार दो से तीन फेरे लगवाने को कहा गया है। इसके लिए अतिरिक्त ड्राइवरों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी वार्ड में कचरा जमा न हो। कचरा संग्रहण वाहनों को ग्रीन नेट से ढककर ले जाने के लिए भी कहा गया है। 29 नए टिपर वाहन बढ़ाने की तैयारी कचरा संग्रहण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नगर निगम 29 नए टिपर वाहन शामिल करने की तैयारी कर रहा है। इन वाहनों के शामिल होने के बाद बेड़े में सक्रिय वाहनों की संख्या बढ़कर 286 होने की बात कही गई है। हालांकि, वाहनों की संख्या बढ़ाने के साथ समय पर कचरा संग्रहण, नियमित फेरे और ट्रांसफर स्टेशनों तक कचरे का परिवहन भी जरूरी है। कचरा कम पहुंचा तो होगी कार्रवाई आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि टिपर वाहन कम कचरा लेकर ट्रांसफर स्टेशन न पहुंचें। इसके लिए कचरा संग्रहण के बाद वाहनों का वजन कराने और ट्रांसफर स्टेशन पहुंचने पर दोबारा वजन जांचने की व्यवस्था करने को कहा गया है। कचरे की मात्रा में अंतर मिलने पर संबंधित ड्राइवर, हेल्पर और स्वास्थ्य अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कचरे के ढेर से सफाई व्यवस्था पर सवाल त्योहार के दौरान बाजारों और रिहायशी इलाकों में कचरे की मात्रा बढ़ने की संभावना है। निगम ने सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए रणनीति तैयार की है, लेकिन शहर के कई इलाकों में अब भी कचरे के ढेर लगे हैं। सड़कों पर फैली गंदगी के बीच निगम के सामने अतिरिक्त फेरे लगवाने, ट्रांसफर स्टेशन देर रात तक चालू रखने और कचरे का समय पर उठाव सुनिश्चित करने की चुनौती है।

एशियन पैरा खेल: तीनों पदक भारतीय खिलाड़ियों के नाम

सुमित की अगुवाई में भारत का भाला फेंक में क्लीन स्वीप

एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय पैरा एथलीटों ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीनों पदकों पर कब्जा जमा लिया। सुमित अंतिल ने स्वर्ण पदक जीतकर अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया, जबकि महेंद्र गुर्जर ने रजत और संदीप संजय सरगर ने कांस्य पदक अपने नाम किया। इस तरह भारत ने एफ42-एफ44 और एफ61-एफ64 वर्गों की संयुक्त स्पर्धा में पहले तीनों स्थान हासिल किए।

एजेन्सी, आइची-नागोया



पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल ने 72.46 मीटर दूर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में यह दूरी हासिल की और 1,112 रजा अंक अर्जित किए। सुमित ने पहले प्रयास में 70.16 मीटर की दूरी तय की थी। इसके बाद तीसरे प्रयास में 69.79 मीटर, चौथे में 69.18 मीटर और छठे में 68.44 मीटर का प्रदर्शन किया। उनका पांचवां प्रयास अमान्य रहा। दूसरे प्रयास में हासिल की गई 72.46 मीटर की दूरी उन्हें शीर्ष स्थान पर बनाए रखने के लिए पर्याप्त रही।

महेंद्र गुर्जर ने 59.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ रजत पदक जीता। एफ42 वर्ग में उन्होंने खेलों का नया रिकॉर्ड भी बनाया और 1,066 रजा अंक हासिल किए। महेंद्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीसरे प्रयास में आया। उन्होंने पहले प्रयास में 53.72 मीटर और दूसरे में 54.44 मीटर की दूरी हासिल की थी। तीसरे प्रयास में 59.03 मीटर भाला फेंकने के बाद वह अपनी दूरी में सुधार नहीं कर सके, लेकिन उनका रिकॉर्ड प्रदर्शन उन्हें दूसरा स्थान दिलाने में सफल रहा। संदीप संजय सरगर ने 64.48 मीटर दूर भाला फेंककर कांस्य पदक जीता। एफ44 वर्ग में उन्होंने खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया और 1,006 रजा अंक हासिल किए। संदीप ने पहले प्रयास में 62.38 मीटर और दूसरे में 62.69 मीटर की दूरी हासिल की। तीसरे प्रयास में उन्होंने 64.48 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। चौथे प्रयास में उनकी दूरी 60.72 मीटर और पांचवें में 63.09 मीटर रही, जबकि छठा प्रयास अमान्य रहा।

श्रीलंका के समिथा चौथे स्थान पर

इस स्पर्धा में श्रीलंका के समिथा कोडिथुवाक्कु 64.10 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ चौथे स्थान पर रहे। उन्होंने चौथे प्रयास में यह दूरी हासिल की और 1,001 रजा अंक अर्जित किए। हालांकि, वह भारतीय खिलाड़ियों के पदक क्रम को तोड़ने में सफल नहीं हो सके।

भारतीय खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन की खास बात यह रही कि सुमित अंतिल ने स्वर्ण पदक बरकरार रखा, जबकि महेंद्र गुर्जर और संदीप संजय सरगर ने अपने-अपने वर्गों में खेलों के नए रिकॉर्ड बनाते हुए रजत और कांस्य पदक जीते। भारत के लिए यह भाला फेंक स्पर्धा में यादगार सफलता रही।

राकेशभाई भट्ट और संदीप ने जीते कांस्य पदक

भारत के पैरा एथलीट राकेशभाई भट्ट और संदीप ने एशियाई पैरा खेल-2026 में एथलेटिक्स स्पधाओं में कांस्य पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। राकेशभाई ने पुरुषों की 200 मीटर टी37 दौड़ के फाइनल में तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि संदीप ने पुरुषों की 100 मीटर टी44 दौड़ में कांस्य पदक अपने नाम किया।

खेलो इंडिया के खिलाड़ी राकेशभाई भट्ट ने पुरुषों की 200 मीटर टी37 स्पर्धा में 25.02 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने एशियाई पैरा खेल-2026 में अपना अभियान दो कांस्य पदकों के साथ समाप्त किया। वर्ष 2022 के पिछले संस्करण में इस स्पर्धा में भारत के श्रेयांश ने 25.26 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता था।

वहीं, संदीप ने पुरुषों की 100 मीटर टी44 स्पर्धा के फाइनल में 11.67 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक हासिल किया। इस पदक के साथ संदीप ने प्रतियोगिता में अपना दूसरा पदक जीता। इससे पहले वह विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक भी अपने नाम कर चुके हैं। इस तरह उन्होंने एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक के साथ अपना अभियान समाप्त किया।

वर्ष 2022 के एशियाई पैरा खेलों में पुरुषों की 100 मीटर टी44 स्पर्धा में भारत के दो खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। तब भारतीय खिलाड़ी 12.34 सेकंड और 12.48 सेकंड के समय के साथ क्रमशः पांचवें और सातवें स्थान पर रहे थे। इस बार संदीप ने कांस्य पदक जीतकर भारत के प्रदर्शन में सुधार किया।

दोनों खिलाड़ियों की इन उपलब्धियों से एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय पैरा एथलेटिक्स दल के पदक अभियान को मजबूती मिली।

एशियाई पैरा खेलों में भारत ने झटके रिकॉर्ड 114 पदक



एजेन्सी, नई दिल्ली

एशियाई पैरा खेल-2026 में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 114 पदकों के साथ अपने अभियान का समापन किया है। भारत ने 30 स्वर्ण, 34 रजत और 49 कांस्य पदक अपने नाम किए। इस तरह भारतीय दल ने कुल पदकों की संख्या के मामले में पिछले संस्करण के प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया। भारत ने शुक्रवार को 9 स्वर्ण सहित कुल 26 पदक जीतकर अपने अभियान का समापन किया, हालांकि, इन खेलों का आधिकारिक समापन 24 अक्टूबर दिन शनिवार को भव्य समापन समारोह के साथ किया जाएगा।

वर्ष 2023 के पिछले संस्करण में भारत ने 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य सहित कुल 111 पदक जीते थे। इस बार भारत ने कुल पदकों की संख्या में दो पदकों का सुधार किया। पिछले संस्करण की तुलना में भारत ने एक अधिक स्वर्ण और तीन अधिक रजत पदक जीते, जबकि कांस्य पदकों की संख्या दो कम रही। भारतीय खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन ने पैरा खेलों में देश की बढ़ती मजबूती को रेखांकित किया है। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, निशानेबाजी और तैराकी सहित विभिन्न स्पधाओं में भारतीय खिलाड़ियों ने पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया।

चीन पदक तालिका में 427 पदक (204 स्वर्ण, 115 रजत और 108 कांस्य) के साथ शीर्ष पर है, जबकि जापान 185 पदक (63 स्वर्ण, 60 रजत और 62 कांस्य) के साथ दूसरे और उज्बेकिस्तान 145 पदक (45 स्वर्ण, 49 रजत और 51 कांस्य) के साथ तीसरे स्थान पर है।

बीडब्ल्यूएफ फ्रेंच ओपन

पीवी सिंधू सेमीफाइनल में पहुंचीं

एजेन्सी, नई दिल्ली



भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने बीडब्ल्यूएफ फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सिंधू ने चीनी ताइपे की चिऊ पिन-चियान को सीधे गेमों में 21-13, 21-14 से हराया। सिंधू ने मुकाबले की शुरूआत से ही शानदार खेल दिखाया और पहले गेम में 21-13 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में भी उन्होंने अपना दबदबा कायम रखा। मध्यांतर तक सिंधू 11-2 से आगे थीं। हालांकि, चिऊ पिन-चियान ने वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने संयम बनाए रखते हुए दूसरा गेम 21-14 से जीतकर सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

फाइनल में जगह बनाने के लिए किससे होगा मुकाबला?

सेमीफाइनल में पीवी सिंधू का सामना इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त पुत्री वारदानी या जापान की हिना अकेची में से किसी एक से होगा। इस मुकाबले में जीत हासिल करने पर सिंधू खिताबी मुकाबले में पहुंच जाएंगी। इससे पहले सिंधू ने जापान की रिको गुनजी को 21-12, 21-16 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। यह मुकाबला 44 मिनट तक चला था। खास बात यह रही कि रिको गुनजी ने टूर्नामेंट के शुरूआती दौर में भारत की उन्नति हुड्डा को बाहर का रास्ता दिखाया था। सिंधू ने 2016 रियो ओलंपिक में रजत पदक और 2020 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। अब फ्रेंच ओपन में उनकी नजरें एक और खिताब की ओर मजबूत कदम बढ़ाने पर होंगी।

अश्मिता चालिहा का सफर क्वार्टर फाइनल में थमा

भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा का शानदार अभियान क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में उन्हें जापान की नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ 10-21, 21-17, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, अश्मिता के लिए यह टूर्नामेंट यादगार रहा। उन्होंने गुरुवार को दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची को 21-19, 21-18 से हराकर अपने करियर में पहली बार सुपर 750 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। अश्मिता को एक सप्ताह पहले डेनमार्क में यामागुची के खिलाफ हार मिली थी। लेकिन पेरिस में उन्होंने बेहतर रणनीति और आत्मविश्वास के साथ खेलते हुए जापानी खिलाड़ी को शिकस्त दी। विश्व रैंकिंग में 36वें स्थान पर मौजूद अश्मिता ने इस साल कोरिया मास्टर्स सुपर 300 टूर्नामेंट जीतकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब भी हासिल किया था।

चोट के कारण आयुष को हटना पड़ा

पुरुष एकल में भारत के आयुष शेट्टी का अभियान भी समाप्त हो गया। जापान के छठी वरीयता प्राप्त कोडाई नाराओका के खिलाफ मुकाबले में आयुष को चोट के कारण रिटायर होना पड़ा। आयुष पहला गेम 17-21 से हार गए थे और दूसरे गेम में 6-11 से पीछे चल रहे थे, तभी उन्हें मुकाबले से हटना पड़ा। इससे पहले उन्होंने फ्रेंच ओपन के शुरूआती दौर में भारत के अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। वहीं, भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन अपने शुरूआती दौर के मुकाबले से पहले ही टूर्नामेंट से हट गए थे।

प्रणव सूरमा ने क्लब थ्रो में जीता स्वर्ण

एजेन्सी, नागोया



भारत के प्रणव सूरमा ने शुक्रवार को पैरा एशियन गेम्स की पुरुषों की क्लब थ्रो एफ51 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि धरमवीर ने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। सूरमा ने 32.87 मीटर की दूरी के साथ खेलों का रिकॉर्ड बनाते हुए पिछले चरण में जीते अपने स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव किया। उन्होंने 2024 पेरिस पैरालंपिक में रजत पदक जीता था। कोरिया के जिवोन जंग ने 28.40 मीटर की दूरी के साथ रजत पदक जीता, जबकि धरमवीर ने 27.71 मीटर के प्रदर्शन से कांस्य पदक हासिल किया। एफ51 वर्ग उन पैरा खिलाड़ियों के लिए है जिनके धड़, पैरों और हाथों की गतिविधियां काफी हद तक प्रभावित होती हैं, जबकि बांहों की गति भी कम से मध्यम स्तर तक प्रभावित रहती है। इस वर्ग के सभी खिलाड़ी बैठकर प्रतिस्पर्धा करते हैं।

भारत ने आइची-नागोया में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड पदक जीत लिए हैं। भारत ने हांगझू में जीते पदकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। भारत मौजूदा पैरा एशियन गेम्स में 30 स्वर्ण सहित 114 पदक जीत चुका है जो उसका इस टूर्नामेंट में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

अस्थाई आतिशबाजी अनुज्ञप्ति हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र 30 अक्टूबर तक प्राप्त किये जावेंगे

अस्थाई आतिशबाजी अनुज्ञप्ति प्रदाय किये जाने हेतु संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी अधिकृत

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट भिण्ड श्री पवन कुमार जैन ने प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दीपावली त्यौहार के अवसर पर आतिशबाजी (पटाखे, फुलझडी) संग्रह एवं विक्रय हेतु विस्फोटक नियम 2008 के अन्तर्गत अनुसूची द्व1 के भाग-1 अनुच्छेद (5) (ख) के अनुसार प्रारूप एल.ई.5 में अस्थाई अनुज्ञप्ति प्रदान करने हेतु विस्फोटक नियम 2008 के नियम 112 (1) के परन्तुक के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सुरक्षा व्यवस्था एवं लोकहित की दृष्टि से आदेशित किया है कि एक्सप्लोसिव रूल्स 2008 के अन्तर्गत अस्थाई आतिशबाजी अनुज्ञप्ति प्रदाय किये जाने हेतु संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी को अधिकृत किया जाता है। अस्थाई आतिशबाजी अनुज्ञप्ति जारी किये जाने हेतु आवेदन ऑनलाईन माध्यम से प्राप्त किये जावेंगे एवं किसी भी दशा में ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जावेंगे। अस्थाई आतिशबाजी अनुज्ञप्ति हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 30 अक्टूबर 2026 तक प्राप्त किये जावेंगे। इस अवधि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा तथा दिनांक 02 नवम्बर 2026 से दिनांक 09 नवम्बर 2026 (आठ दिवस) तक के लिये अस्थाई आतिशबाजी अनुज्ञप्ति वैध रहेगी। अस्थाई आतिशबाजी अनुज्ञप्ति आवेदनों पर पुलिस से आवश्यक जांच कराये जाने के उपरांत ही अनुज्ञप्ति जारी की जावे। प्रत्येक अस्थाई आतिशबाजी अनुज्ञप्ति में आतिशबाजी संग्रह एवं विक्रय हेतु जन सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये एवं मात्रा आवश्यक रूप से प्रदर्शित की जावे। संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी (राजस्व), अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), मुख्य नगर पालिका अधिकारी, एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण कर आतिशबाजी विक्रय स्थल का चयन करेंगे। आतिशबाजी बिक्री हेतु संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी द्वारा दुकानदारों को अस्थाई दुकान के लिये अनुज्ञप्ति देते समय केन्द्रीय सरकार की अधिसूचना क्रमांक जी.एस.आर.687 (ई) दिनांक 27.09.1984 उपमुख्य विस्फोटक नियंत्रक एवं कार्यालय प्रमुख कृते संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियत्रंक भारत सरकार पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन भोपाल द्वारा परिपत्र दिनांक 08 अक्टूबर 2026 के अनुसार शर्तो का पालन अनिवार्य रूप से किया जाना सुनिश्चित करेंगे। जिसमें आतिशबाजी को सुरक्षित एवं उज्ज्वलनशील सामग्री से बने शेड में रखा जाये। आतिशबाजी के विक्रय हेतु बनी अस्थाई दुकानें, एक दूसरे से 3 मीटर की दूरी पर एवं किसी संरक्षित स्थलों से 50 मीटर की दूरी पर होंगी। यह अस्थाई शेड एक दूसरे के आमने-सामने नहीं होना चाहिए। सुरक्षा दूरी के अन्दर एवं इन दुकानों के प्रकाश हेतु किसी प्रकार के तेल लेम्प, गैस लेम्प एवं खुली बिजली की बत्तियों का प्रयोग नहीं होना चाहिये, यदि किसी बिजली की लाईन का प्रयोग किया जाता है तो उसे या तो दीवार पर या छत पर दृढ़ता से लगाना चाहिये एवं किसी प्रकार के तार लटके हुए नहीं होना चाहिए इन बत्तियों के लिये स्विचें दीवार पर लगे हुये होना चाहिये एवं पंक्ति की सभी दुकानों के लिये मास्टर स्विचें लगाना अनिवार्य होगा। किसी दुकान के 50 मीटर के अन्दर आतिशबाजी जलाने पर प्रतिबंध होगा। किसी एक क्लस्टर में 50 से अधिक अस्थाई दुकानें लगाने की अनुमति नहीं होगी। आतिशबाजी की दुकानों का क्षेत्रफल 9 वर्ग मीटर से कम तथा 25 वर्ग मीटर से अधिक ना हो। आतिशबाजी की दुकानों के ऐसे समूह के लिए प्राथमिक चिकित्सा, एम्बूलेंस और कम से कम दो (02) दमकल गाडियां उपलब्ध रहेंगी। स्थानीय भाषा में विस्फोटक और खतरनाक सामान, लिखे हुए चेतावनी बोर्ड प्रमुख स्थानों में लगाए जाएंगे। रहवासी बस्ती में अस्थाई आतिशबाजी अनुज्ञप्ति जारी नहीं की जावेगी।

त्योहारी सीजन की आखिरी बचत और सबसे कम कीमतों पर फोन खरीदने का मौका

एक सत बुलेटिन, दिल्ली



मोबाइल टेक्नोलॉजी में दुनिया की अग्रणी और भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने फ्लिपकार्ट की बिग बिलियन डेज़ सेल 2026 के दौरान बिगबुलियनमोटोरोलाडील्स के तहत अपने लेटेस्ट स्मार्टफोन पोर्टफोलियो पर विशेष त्योहारी ऑफर्स की घोषणा की है। मोटोरोला के नए एआई इनोवेशन, प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम, प्रीमियम पैंटोन वैलिडेटेड डिज़ाइन, शानदार डिस्प्ले और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी इनोवेशन को एक साथ लाते हुए, इस कैंपेन का उद्देश्य हर वर्ग के ग्राहकों तक आधुनिक स्मार्टफोन अनुभव आसानी से पहुँचाना है। यह सेल अब फ्लिपकार्ट पर लाइव है और बिग बिलियन डेज़ सेल अवधि के दौरान जारी रहेगी। मोटोरोला एज 70 फ्यूजन 30,000 रुपये से कम कीमत में प्रीमियम फीचर्स की तलाश कर रहे ग्राहकों के लिए एक फ्लैगशिप स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करता है। फोटोग्राफी, परफॉर्मेंस और टिकाऊपन को ध्यान में रखते हुए बनाए गए इस फोन में एआई-संचालित 50 मेगापिक्सल सोनी एलिटिया 710 कैमरा दिया गया है, जो उपयोगकर्ताओं को विभिन्न प्रकार की रोशनी स्थितियों में भी विस्तृत फोटो और वीडियो लेने की सुविधा देता है। मोटोरोला एज 70 प्रो फ्लैगशिप-स्तर की परफॉर्मेंस और प्रोफेशनल-ग्रेड फोटोग्राफी को एक साथ लाकर 40,000 रुपये से कम के सेगमेंट में उम्मीदों को नए सिरे से परिभाषित करता है। मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8500 एक्सट्रीम प्रोसेसर द्वारा संचालित, यह स्मार्टफोन स्मूथ मल्टीटास्किंग, शानदार गेमिंग परफॉर्मेंस और बेहतरीन एआई अनुभव प्रदान करता है। इस डिवाइस में सोनी एलिटिया 710 सेंसर के नेतृत्व में एक ट्रिपल 50 मेगापिक्सल प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम है, जो प्रोफेशनल क्वालिटी की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी को आसान बनाता है। बेहतरीन कैमरा सेटअप के साथ, इसमें एक शानदार 144॥5 1.5च्च टू कलर क्वाड-कर्व्ड डिस्प्ले मिलता है जो पैंटोन वैलिडेटेड है और इमर्सिव एंटरटेनमेंट अनुभव देता है।

सीईओ जिला पंचायत भिण्ड ने 21 उपयंत्री को जारी किए नोटिस



एक सत बुलेटिन, भिण्ड

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भिण्ड श्री वीरसिंह चौहान ने जनपद पंचायत अटेर के उपयंत्री श्री पवन श्रीवास, हरेन्द्र सिंह, श्री लोकेन्द्र वर्मा, श्री डी.के. श्रीवास्तव, जनपद पंचायत भिण्ड के उपयंत्री प्रदीप पटेल, श्री विवेक अग्रवाल, श्री मनोज अग्रवाल, श्री धर्मेन्द्र दुबे, जनपद पंचायत गोहद के उपयंत्री श्री अरुण कुमार चौकोटिया, श्री अनिल श्रीवास्तव, श्री सुधीर कटारे, श्री के.एल. शाक्य, जनपद पंचायत लहार के उपयंत्री श्री उमेश तिवारी, श्री उत्कर्ष दोंदेरिया, श्री कमलेश सावला, जनपद पंचायत मेहगांव के उपयंत्री श्री मनोज अग्रवाल, श्री राजवीर नरवरिया, श्री हेमराज शर्मा, श्री अनूप मुद्गल, श्री कमलापत आर्य, जनपद पंचायत रौन के उपयंत्री श्री सुरजीत मौर्या को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सीईओ जिला पंचायत भिण्ड श्री चौहान ने सूचित किया है कि ड्डब्लूक्त्रन्नरूत्र अंतर्गत ग्राम पंचायतों में नवीन कार्य प्रारंभ कराने एवं निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने हेतु समय-समय पर शासन स्तर से निर्देश जारी किए गए हैं। उक्त कार्यों के संबंध में उपयंत्रियों को राज्य स्तर से प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा चुका है। इसके उपरांत भी कार्यक्षेत्र अंतर्गत नवीन कार्य प्रारंभ करने की प्रगति निरंक होने से दिनांक 22.10.2026 को संपन्न आयुक्त की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में विकासखण्ड की स्थिति पर असंतोष व्यक्त किया गया है। विकासखण्ड में युक्तधारा पोर्टल पर एक भी नवीन कार्य प्रदर्शित नहीं हो रहा है। नवीनतम स्ह्लक्क के अनुसार ग्राम पंचायतों की कार्ययोजना फ्रीज होने के उपरांत प्लानर में सम्मिलित कार्यों की स्ह्लक्कद्ध पोर्टल पर उपयंत्री द्वारा मार्किंग किया जाना आवश्यक है। तत्पश्चात संबंधित सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदन किए जाने के उपरांत कार्य युक्तधारा पोर्टल पर प्रदर्शित होते हैं। इसके आधार पर आगामी प्रक्रिया में कार्य निर्माण, प्राक्कलन तैयार करने तथा तकनीकी स्वीकृति प्राप्त करने की कार्यवाही की जाती है। वर्तमान में स्ह्लक्कद्ध पोर्टल पर संबंधित कार्यों की मार्किंग नहीं किए जाने के कारण उक्त कार्य युक्तधारा पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं हो पा रहे हैं तथा आगामी समस्त कार्यवाही बाधित है। इससे स्पष्ट होता है कि निर्धारित प्रक्रिया के प्रथम चरण में ही अपेक्षित कार्यवाही लंबित है। अतः इस स्तर पर कार्यवाही में हुई देरी/लापरवाही के संबंध में सभी उपयंत्री का उत्तरदायित्व स्पष्ट किया जाना आवश्यक है।नियमित समीक्षा, पोर्टल पर आवश्यक कार्यवाही एवं निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के प्रति अपेक्षित गंभीरता के अभाव को दर्शाती है तथा शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही एवं उदासीनता का द्योतक है।

सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण कर कराई स्वास्थ्य जांच

दतिया! मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत गोराघाट में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से आमजन को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के साथ ही उनकी समस्याओं को सुनकर निराकरण की पहल की गई। शिविर के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपस्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उपस्वास्थ्य केंद्र में स्वयं की स्वास्थ्य जांच भी कराई तथा केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के उपरांत सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह ने जनकल्याण शिविर में जनसुनवाई कर नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायत का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उद्यम संवाद में भारती यादव को मिला 3 लाख रुपये का ऋण स्वीकृति पत्र जनकल्याण शिविर के दौरान आयोजित उद्यम संवाद में हितग्राही सुश्री भारती यादव को मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत 3 लाख रुपये का ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। जनकल्याण शिविर के दौरान सीईओ श्री शैलेन्द्र सिंह ने शासकीय एकीकृत माध्यमिक विधालय बड़ैरा का निरीक्षण किया।

जनविश्वास शिविर में कलेक्टर ने सुनीं लोगों की समस्याएं 100 आवेदन प्राप्त, 76 आवेदनों का मौके पर निराकरण

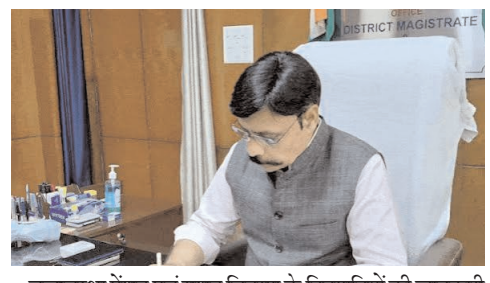
एक सत बुलेटिन, भिण्ड



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार संचालित जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत आज मिहोना के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जनसंवाद एवं समाधान शिविर आयोजित किया गया। कलेक्टर भिण्ड श्री पवन कुमार जैन ने शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, लोकसेवा प्रबंधन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा नगर पंचायत, राशन से संबंधित कुल 100 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 76 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया। कलेक्टर श्री जैन ने शिविर के दौरान वृद्धावस्था पेंशन के 03 तथा लाड़ली लक्ष्मी योजना की 02 कुल 05 पात्र लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत भिण्ड श्री वीरसिंह चौहान, एसडीएम लहार श्री प्रदीप मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री पवन कुमार जैन ने कहा कि आमजन की समस्याओं के निराकरण के लिए सभी विभागों के अधिकारी इस शिविर में उपस्थित रहते हैं, सभी लोगों से आग्रह है कि अपनी समस्याओं से हमें जरूर अवगत कराएं ताकि उनका निराकरण किया जा सके। उन्होंने कहा कि जन विश्वास अभियान का अर्थ है जनता का सरकार और सरकारी व्यवस्थाओं के ऊपर विश्वास। उन्होंने आश्वासन दिया कि जनता की शिकायतों का समय-सीमा में और संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया जाएगा। सभी प्रशासनिक अधिकारी सुनिश्चित करेंगे कि जो लोग शिविर में समस्याएं लेकर आ रहे हैं, उनका समयबद्ध निराकरण हो सके। कलेक्टर श्री जैन ने शिविर में उपस्थित लोगों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना और प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा योजना के लाभ के संबंध में विस्तार से जानकारी दी और सभी से इन योजनाओं में बीमा कराने का आग्रह किया ताकि दुर्घटना होने पर लाभ प्राप्त हो सके। सीईओ जिला पंचायत श्री वीरसिंह चौहान ने पंचायत विभाग से संबंधित तथा सीएमएचओ डॉ जे.एस. यादव ने स्वास्थ्य विभाग से संबंधित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी और पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

जन विश्वास अभियान अंतर्गत कलेक्टर ने ग्राम मछण्ड और इमलाह का किया निरीक्षण

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर श्री पवन कुमार जैन ने शुक्रवार को विकासखंड लहार के ग्राम मछण्ड और इमलाह का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और शासकीय योजनाओं के लाभ की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। कलेक्टर ने पटवारियों से स्वामित्व योजना के अंतर्गत फॉर्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पटवारी, सचिव और जीआरएस को समन्वय बनाकर शेष फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को भूमि स्वामित्व का लाभ समय पर मिल सके। ग्रामवासियों से चर्चा करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा योजना के लाभों की जानकारी दी। उन्होंने सभी नागरिकों से इन योजनाओं में बीमा कराने का आग्रह किया। साथ ही पंचायत सचिव से आबादी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, कल्याणी पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन एवं राशन वितरण के हितग्राहियों की जानकारी ली और पात्र लोगों तक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जन विश्वास अभियान का उद्देश्य जनता की शिकायतों और योजनाओं से जुड़े प्रकरणों का समयबद्ध निपटान सुनिश्चित करना है। कलेक्टर श्री जैन ने एसडीएम लहार को शासकीय भूमि एवं चरनोई भूमि से तत्काल अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री वीरसिंह चौहान, एसडीएम लहार श्री प्रदीप मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

रेजिडेंट डॉक्टरों ने विभागाध्यक्ष पर प्रताड़ना के आरोप लगा जांच कार्रवाई की मांग की

इन्दौर। विगत कई दिनों से लगातार विवादों के कारण सुर्खियों में चल रहे इन्दौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज और और एम वाय अस्पताल में नया विवाद उस समय सामने आया जब न्यूरोसर्जरी विभाग के रेजिडेंट डॉक्टरों ने विभागाध्यक्ष पर प्रताड़ना के आरोप लगाया। मामले में जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन ने डीन को पत्र लिखकर मामले की निष्पक्ष जांच और तत्काल कार्रवाई की मांग की है। एसोसिएशन के अनुसार रेजिडेंट डॉक्टरों को मुख्य परीक्षा में फेल करने और ट्रेनिंग अवधि बढ़ाने की धमकियां देने के साथ उन्हें जरूरी अकादमिक और ऑपरेशन संबंधी ट्रेनिंग से वंचित रख ऑपरेशन थिएटर परिसर में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। एसोसिएशन ने शिकायत में इसके चलते डॉक्टरों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे असर को गंभीर बताया है। उन्होंने पत्र में अवसाद और आत्महत्या जैसे विचार आने की आशंका का उल्लेख करते हुए प्रभावित डॉक्टरों को गोपनीय सहायता और सुरक्षा देने की मांग की है। एसोशिएशन के अनुसार न्यूरोसर्जरी विभाग के रेजिडेंट डॉक्टरों ने 13 अक्टूबर 2026 को प्रशासन को लिखित शिकायत दी थी। एसोसिएशन ने मामले की जांच के लिए स्वतंत्र समिति गठित करने, शिकायतकर्ताओं को अकादमिक प्रताड़ना से बचाने और जांच की समयसीमा तय करते सात कार्यदिवस में कार्रवाई की जानकारी देने को कहा है। शिकायत पत्र में रेजिडेंट डॉक्टरों से सप्ताह में करीब 140 से 150 घंटे तक काम कराने और उन्हें कैंपस से बाहर नहीं जाने देने का आरोप भी लगाते विभागीय सामान के लिए डॉक्टरों से निजी पैसे खर्च कराने की शिकायत भी की गई है।

जनविश्वास शिविर में सुनीं नागरिकों की समस्याएं, हितग्राहियों को बांटे लाभ

कलेक्टर पुष्यमित्र भार्गव ने कन्या विद्यालय में छात्राओं के एटीएम मॉडल को सराहा

एक सत बुलेटिन, इंदौर



मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को चिमनबाग स्थित स्काउट ग्राउंड, जोन क्रमांक-3 में विशाल शिविर आयोजित किया गया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव, निगमायुक्त क्षितिज सिंघल, विधायक गोलू शुक्ला और कलेक्टर शिवम वर्मा ने नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। शिविर में विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए। नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जांच और निःशुल्क दवा वितरण की व्यवस्था भी की गई। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि अभियान का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का मौके पर निराकरण करना है। उन्होंने अधिकारियों से शिकायतों को संवेदनशीलता से सुनने और उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा। शिविर में प्रधानमंत्री स्वनिधि, लाड़ली लक्ष्मी सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के लिए विभागीय स्टॉल लगाए गए। :: स्वनिधि योजना से बढ़ी फुटवियर दुकान की आमदनी :: शिविर में मुसाखेड़ी निवासी हितग्राही शिवम ओझा ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत मिले ऋण से उनकी फुटवियर दुकान की आमदनी बढ़ी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कारोबार में सुधार के आधार पर उन्हें आगे अधिक ऋण लेने की पात्रता मिल सकेगी। :: कलेक्टर ने कन्या विद्यालय का निरीक्षण किया :: कलेक्टर शिवम वर्मा ने पोलोग्राउंड स्थित शासकीय सांदीपनि अहिल्याश्रम कन्या विद्यालय का निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने छात्राओं से शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि छात्राओं ने एटीएम का आधुनिक मॉडल तैयार किया है। कलेक्टर ने छात्राओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने विद्यालय की कक्षाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। शिविर में जिला पंचायत सीईओ हिमांशु प्रजापति, स्मार्ट सिटी सीईओ अर्थ जैन, एसडीएम घनश्याम धनगर सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। पशुपालन, डेयरी विकास तथा महिला एवं बाल विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। स्वास्थ्य शिविर में नागरिकों का परीक्षण कर निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं।

निकाय-पंचायत चुनाव से पहले वोटर लिस्ट की होगी पड़ताल

मतदाताओं की संख्या में बड़ा अंतर, 21.66 लाख मतदाताओं का अंतर बना चुनौती

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्य प्रदेश में अगले साल प्रस्तावित नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव से पहले मतदाता सूचियों के मिलान की कवायद अहम हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग और भारत निर्वाचन आयोग की मतदाता सूचियों में 21.66 लाख से अधिक मतदाताओं का अंतर सामने आने के बाद अब विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) के जरिए सूची का मिलान किया जाएगा। इसके बाद अंतिम मतदाता सूची तैयार होगी। राज्य निर्वाचन आयोग की 27 जुलाई 2026 को जारी सूची में 5 करोड़ 67 लाख 21 हजार 353 मतदाता दर्ज हैं। वहीं, भारत निर्वाचन आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद जारी सूची में यह संख्या 5 करोड़ 45 लाख 54 हजार 655 है। दोनों सूचियों के आंकड़ों में कुल 21 लाख 66 हजार 698 मतदाताओं का अंतर है। इस अंतर को लेकर प्रदेश कांग्रेस भी आपत्ति दर्ज करा चुकी है। अब आगामी स्थानीय चुनावों से पहले सूची का मिलान करना आयोग के लिए महत्वपूर्ण प्रक्रिया होगी। एसआईआर में 34.25 लाख नाम



हटने के बाद बढ़ा ध्यान भारत निर्वाचन आयोग की एसआईआर प्रक्रिया के बाद मध्य प्रदेश की मतदाता सूची से 34 लाख 25 हजार 78 नाम हटाए गए थे। इनमें मृत, अनुपस्थित और स्थायी रूप से दूसरे स्थान पर जा चुके मतदाता शामिल थे। दूसरी ओर, राज्य निर्वाचन आयोग ने अपनी मतदाता सूची तैयार करने के लिए पिछले साल की सूची को आधार बनाया था। रिपोर्ट के अनुसार, भारत निर्वाचन आयोग ने प्रक्रिया पूरी नहीं होने का हवाला देते हुए राज्य निर्वाचन आयोग को अपनी सूची उपलब्ध नहीं कराई थी। दोनों आयोगों की अलग-अलग प्रक्रियाओं के कारण मतदाताओं की संख्या में अंतर बना हुआ है। एसएसआर में दावे-आपत्तियों के आधार पर होगा संशोधन राज्य निर्वाचन आयोग घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन नहीं करता, बल्कि दावे और आपत्तियां मिलने पर सूची में संशोधन किया जाता है। अब एसएसआर के बाद जारी होने वाली सूची से मौजूदा सूची का मिलान कर अंतिम आंकड़े तय किए जाएंगे।

इस प्रक्रिया में यह स्पष्ट हो सकेगा कि दोनों सूचियों में अंतर किन कारणों से है और कितने नामों में संशोधन की जरूरत है। फिलहाल 21.66 लाख का अंतर अपने आप में फर्जी मतदाताओं की संख्या नहीं है; वास्तविक स्थिति सत्यापन के बाद ही स्पष्ट होगी। प्रदेश में अगले साल मई-जून में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव प्रस्तावित हैं। ऐसे में मतदाता सूची का सही और अद्यतन होना जरूरी है, ताकि पात्र मतदाताओं के नाम दर्ज रहें और गलत प्रविष्टियों को नियमों के अनुसार सुधारा जा सके। आयोग की ओर से एसएसआर के बाद सूची का मिलान करने का निर्णय इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। हालांकि, अंतिम सूची में कितने नाम जुड़ेंगे, हटेंगे या संशोधित होंगे, इसकी स्पष्ट तस्वीर प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही सामने आएगी।

बांस का नया रूप, हुनर से गढ़ी पहचान भोपाल के 'बैम्बू मैन' बने धर्मेंद्र रोहर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

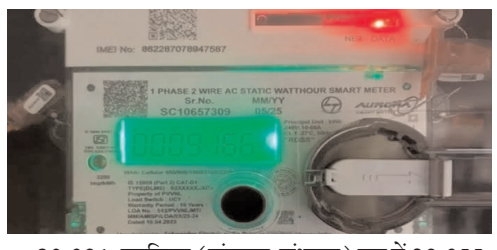


बांस का छोटा-सा सुपड़ा, जो परंपरागत रूप से घरेलू कामकाज का हिस्सा रहा है, धर्मेंद्र रोहर के हाथों में आकर घर की दीवार सजाने वाली आकर्षक कलाकृति बन जाता है। रंग-बिरंगे धागों के पोम-पोम, भगवान गणेश की आकृति और घंटी से सजा यह सुपड़ा उनके हुनर की एक झलक है। कपड़े की बची हुई कतरनें हों या धान और बांस का बुरादा – धर्मेंद्र अपनी रचनात्मकता से इन सामग्रियों को नया रूप और उपयोग दे रहे हैं। इसी कला ने उन्हें स्थानीय स्तर पर 'बैम्बू मैन ऑफ भोपाल' की पहचान दिलाई है। मूल रूप से नरसिंहपुर जिले के निवासी धर्मेंद्र रोहर करीब 20 वर्षों से भोपाल में रहकर बांस शिल्प को आगे बढ़ा रहे हैं। पारंपरिक कला के प्रति लगन और नए प्रयोग करने की सोच उनकी इस यात्रा का आधार है। उन्होंने बांस शिल्प को परंपरागत वस्तुओं तक सीमित रखने के बजाय बदलती पसंद और जरूरतों से जोड़ा है। उनकी कलाकृतियों में लोकशिल्प की आत्मीयता भी है और आधुनिक सजावट का आकर्षण भी। धर्मेंद्र की कला की खासियत सामग्री को देखने का उनका नजरिया है। बांस, धान, सूती धागे और कपड़े की बची हुई कतरनें उनके लिए नई कलाकृति तैयार करने के साधन हैं। इन सामग्रियों के आकार, रंग और बनावट को जोड़कर वे उपयोगी तथा सजावटी वस्तुएं बनाते हैं। बांस के सुपड़े से तैयार वॉल हैंगिंग इसी सोच का उदाहरण है। रोजमर्रा के उपयोग की एक पारंपरिक वस्तु को सजावट का नया स्वरूप देकर वे उसके उपयोग की संभावनाएं बढ़ा रहे हैं। उनके ऐसे प्रयोग बताते हैं कि स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक हुनर को रचनात्मक सोच का साथ मिले तो वे आज के घरों और जीवनशैली में भी अपनी जगह बना सकते हैं।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के 16 जिलों में 13 लाख 20 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा भोपाल शहर में उपभोक्ताओं को आधुनिक, पारदर्शी एवं डिजिटल विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्मार्ट मीटर स्थापना का कार्य निरंतर किया जा रहा है। भोपाल शहर वृत्त में अब तक 5 लाख 3 हजार 604 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। स्मार्ट मीटर के माध्यम से उपभोक्ताओं को बिजली खपत की जानकारी, पारदर्शी बिलिंग तथा ऑनलाइन मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएं मिल रही हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में अब तक कुल 13 लाख 20 हजार 325 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। कंपनी द्वारा सभी संबंधित वृत्तों में मीटर स्थापना का कार्य तेजी से जारी है। वृत्तवार मीटर स्थापना के आंकड़ों के अनुसार, भोपाल शहर वृत्त में 5,03,604, सीहोर वृत्त में 96,126, ग्वालियर शहर वृत्त में 98,400, विदिशा वृत्त में 92,450, नर्मदापुरम वृत्त में 89,717, रायसेन वृत्त में 56,756, बैतूल वृत्त में 58,217, भोपाल (संचारण-संधारण) वृत्त में 53,005, शिवपुरी वृत्त में 37,739, गुना वृत्त में 36,525, राजगढ़ वृत्त में 34,169, भिंड वृत्त में 34,398, हरदा वृत्त में



30,981, ग्वालियर (संचारण-संधारण) वृत्त में 28,955, मुरैना वृत्त में 26,874, दतिया वृत्त में 19,704, अशोकनगर वृत्त में 12,559 तथा श्योपुर वृत्त में 10,146 उपभोक्ता मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। उपभोक्ताओं को घरेलू स्मार्ट मीटर से मिलने वाले फायदे 1. ऊर्जा की खपत को ट्रैक करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद करता है। 2. बिजली की खपत को सटीक रूप से मापता है, जिससे बिल में कोई गलती नहीं होती। 3. ऐप के जरिए मोबाइल पर रियल-टाइम डेटा देखकर ऊर्जा की खपत को नियंत्रित कर सकते हैं। 4. ऊर्जा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी मिलती है, ताकि ऊर्जा की खपत को बेहतर बना सकते हैं। 5. ऊर्जा की खपत को ऑनलाइन ट्रैक करने और नियंत्रित करने की सुविधा मिलती है। 6. ऊर्जा की खपत को कम करने से पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव कम होता है।

निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही निरंतर जारी

भोपाल। नगर निगम द्वारा शहर में अतिक्रमणों और अवैध निर्माणों के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने सीएम हेल्प लाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत वल्लभ भवन मंत्रालय क्षेत्र में हाकर्स को हटाने की कार्यवाही की तथा भानपुर से मालीखेड़ी चौराहे तक दुकानदारों द्वारा सड़क पर किये गये अतिक्रमणों को हटाया साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही की और ठेले, कुर्सी, स्टूल, बेंच, टेबिल, तिरपाल, कैरेड जप्त किये। कोलार रोड कजलीखेड़ा में सड़क निर्माण में बाधक 05 मकान व 01 भैसों की डेयरी तथा ग्राम मावड़िया में सड़क चैड़ीकरण में बाधक 03 मकानों के पत्थर की बाउण्ड्रीवाल को जेसीबी मशीन के माध्यम से तोड़ने की कार्यवाही की।

भोपाल के उदयन वाजपेयी होंगे मुख्य वक्ता

पाँचवीं जेएस मूर्ति व्याख्यानमाला 2026 साहित्य एवं पत्रकारिता : कल, आज और कल' 28 अक्टूबर को

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



मीडिया स्टडी सर्किल जबलपुर के तत्वावधान में पाँचवीं डॉ. जे . एस. मूर्ति स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन 28 अक्टूबर 26 को जबलपुर में होगा । आयोजन राइट टाउन स्थित इंडियन मेडिकल एसोसियेशन के आई एम ए हाल में शाम 6 बजे से होगा । देश के जाने माने वरिष्ठ साहित्यकार, संपादक एवं संस्कृतिविद् श्री उदयन बाजपेयी मुख्य वक्ता होंगे । वे ' साहित्य एवं पत्रकारिता के विविध आयाम : कल, आज और कल' विषय पर व्याख्यान देंगे । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद (मध्यप्रदेश शासन भोपाल) के निदेशक डॉ. वीरेंद्र कुमार व्यास व्याख्यानमाला की अध्यक्षता करेंगे । महाराष्ट्र शासन के पूर्व सचिव वरिष्ठ आई ए एस श्री किशोर गजभिए एवं इंडियन कॉफ़ी वर्कर्स कोआपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के प्रेसिडेंट डॉ. ओ.के.राजगोपालन विशिष्ट अतिथि होंगे । गाँधी मेडिकल कॉलेज भोपाल में वरिष्ठ प्रोफेसर उदयन वाजपेयी देश के अग्रणी कवि, लेखक, अनुवादक, संस्कृतिविद् एवं वरिष्ठ मीडिया विश्लेषक हैं । कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित उदयन बाजपेयी द्वारा लिखित एवं अनूदित पुस्तकों का संसार विपुल है । उन्होंने विश्व की अनेक भाषाओं के लेखकों की कालजयी किताबों के अनुवाद भी किए हैं । डॉ. जे .एस. मूर्ति लब्धप्रतिष्ठ फोटोग्राफ़र, लेखक एवं संचार अध्ययन विशेषज्ञ थे । उनके चित्र दुनिया के अनेक देशों में प्रदर्शित किये गए हैं। अमेरिकन सोसायटी ऑफ़ पोएट्स, अमेरिका द्वारा उनको ' पोएट ऑफ़ दी ईयर' के ख़िताब से नवाज़ा गया है ।

कलेक्टर मिश्रा ने सुरभि गौशाला का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

भोपाल। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने शुक्रवार को ग्राम पंचायत बरखेड़ी अब्दुल्ला स्थित सुरभि गौशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर निगम भोपाल के आयुक्त एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी उपस्थित रहीं। कलेक्टर ने गौशाला की व्यवस्थाओं एवं संबंधित कार्यों का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला पंचायत भोपाल की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती इला तिवारी ने जनपद पंचायत फंदा की ग्राम पंचायत बालमपुर, सूखीसेवनिया एवं डोब का भ्रमण कर विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्माणाधीन गौशालाओं का निरीक्षण कर निर्माण कार्य दीपावली तक पूर्ण कराने तथा उनका संचालन प्रारंभ करने के निर्देश दिए। श्रीमती तिवारी ने ग्रामों में स्वच्छता व्यवस्था, खेत-तालाब निर्माण कार्यों तथा विद्यालय का भी निरीक्षण किया। इस दौरान पेंशन प्राप्त करने में हितग्राहियों को आ रही समस्याओं का संज्ञान लेकर उनका त्वरित निराकरण कराया गया। उन्होंने विभागीय योजनाओं के अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए वीबी-जी राम-जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले को पूर्व से लंबित विकास कार्य प्राथमिकता से पूर्ण कराने तथा कार्यों में अनावश्यक विलंब नहीं करने के लिए निर्देशित किया।



मैहर में आयोजित सनातन संवाद कार्यक्रम में सम्मिलित हुए उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मैहर जिले में आयोजित 'सनातन संवाद' कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा कथा का श्रवण किया। इस अवसर पर सतना सांसद गणेश सिंह, मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी एवं पुलिस अधीक्षक श्री अवधेश प्रताप सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

'थ्रेड ऑफ एमपी' फैशन शो में आज, फेमिना मिस इंडिया एमपी धनश्री चौहान शो स्टॉपर

भोपाल। फैशन और डिजाइनिंग की दुनिया से जुड़ा आयोजन 'थ्रेड ऑफ एमपी' फैशन शो शनिवार, 24 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। नर्मदापुरम रोड स्थित सेलेस्टियल पार्क होटल में होने वाले इस शो में डिजाइनर सीमा विश्वकर्मा का आकर्षक कलेक्शन प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें मध्यप्रदेश का चंदेरी, महेश्वरी और बाग प्रिंट से तैयार ड्रेस प्रदर्शित की जाएगी। कार्यक्रम में फेमिना मिस इंडिया मध्यप्रदेश धनश्री चौहान शो स्टॉपर के रूप में रैंप पर उतरेंगी। शो का आयोजन शाम 4 बजे से होगा। इसमें फैशन, डिजाइनिंग और ग्लैमर जगत से जुड़े लोगों की मौजूदगी रहेगी। डिजाइनर सीमा विश्वकर्मा अपने कलेक्शन के माध्यम से परिधानों की खास डिजाइन, रचनात्मकता और फैशन के नए अंदाज को प्रस्तुत करेंगी। वहीं, शो स्टॉपर धनश्री चौहान की रैंप वॉक आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहेगी। कार्यक्रम में एक्सीलेंसी टाइम एंटरटेनमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर हरिओम जटिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। 'थ्रेड ऑफ एमपी' के जरिए भोपाल में फैशन और ग्लैमर की दुनिया से जुड़े नए प्रयोगों को सामने लाने की तैयारी है।



भोपाल मंडल के इटारसी एवं हरदा स्टेशनों से गुजरने वाली ट्रेन से दक्षिण भारत और कोंकण क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी होगी बेहतर

जबलपुर-कोयंबटूर साप्ताहिक एक्सप्रेस 23 अक्टूबर से नए नंबर के साथ नियमित संचालित

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

यात्रियों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेल द्वारा जबलपुर-कोयंबटूर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को नियमित एक्सप्रेस के रूप में संचालित किया जा रहा है। यह ट्रेन 23 अक्टूबर 2026 से नए नंबर के साथ नियमित परिचालन शुरू करेगी। इससे मध्य प्रदेश के यात्रियों को दक्षिण भारत एवं कोंकण क्षेत्र के प्रमुख शहरों तक रेल यात्रा की सुविधा मिलेगी। वर्तमान में गाड़ी संख्या 02198/02197 जबलपुर-कोयंबटूर-जबलपुर साप्ताहिक स्पेशल के रूप में संचालित यह ट्रेन अब गाड़ी संख्या 20160/20159 जबलपुर-कोयंबटूर-जबलपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस के रूप में चलेगी। गाड़ी संख्या 20160 जबलपुर-कोयंबटूर साप्ताहिक एक्सप्रेस 23 अक्टूबर 2026 से प्रत्येक शुक्रवार को जबलपुर से रवाना होगी। वापसी में गाड़ी संख्या 20159 कोयंबटूर-जबलपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस 26 अक्टूबर 2026 से प्रत्येक सोमवार को कोयंबटूर से प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन भोपाल मंडल के इटारसी एवं हरदा स्टेशनों से होकर गुजरेगी। मार्ग में नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी, हरदा, खंडवा, भुसावल, नासिक रोड, पनवेल, रोहा, खेड़, चिपलुन, रत्नागिरी, कणकवली, कुडाल, थिविम, मडगांव, कारवार, कुमटा, बैन्दूर मूकांबिका रोड, कुंदापुरा, उडुपी, मुल्की, मंगलूरु सेंट्रल, कासरगोड, कण्णूर, वडकरा, कोषिक्कोड, तिरुर, शोरनूर जंक्शन एवं पालक्काड जंक्शन



सहित विभिन्न प्रमुख स्टेशन शामिल हैं। इन स्टेशनों से यात्रियों को दक्षिण भारत एवं कोंकण क्षेत्र के विभिन्न गंतव्यों तक आवागमन की सुविधा मिलेगी। इस साप्ताहिक एक्सप्रेस में कुल 24 कोच होंगे। इनमें 1 फर्स्ट एसी, 2 सेकेंड एसी, 6 थर्ड एसी, 9 स्लीपर, 4 सामान्य श्रेणी तथा 2 एलएलआरडी कोच शामिल हैं। इस कोच संरचना से यात्रियों को अपनी सुविधा एवं बजट के अनुरूप यात्रा करने के विकल्प मिलेंगे। ट्रेन के नियमित संचालन से विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों, पर्यटकों तथा अन्य यात्रियों को लाभ मिलेगा। साथ ही, कोंकण तट एवं दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों तक बेहतर रेल संपर्क से पर्यटन, व्यापार और अंतरराज्यीय यात्री आवागमन को भी प्रोत्साहन मिलेगा। यात्री ट्रेन की विस्तृत समय-सारणी एवं सीटों की उपलब्धता की जानकारी एनटीईएस, रेलवन ऐप अथवा भारतीय रेल की आधिकारिक पूछताछ सेवाओं के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लंबे समय से स्पेशल ट्रेन के रूप में चलाई जा रही जबलपुर-कोयंबटूर साप्ताहिक एक्सप्रेस को अब नियमित ट्रेन के रूप में संचालित किया जा रहा है। यह नियमित संचालन 23 अक्टूबर से नए नंबर के साथ शुरू हो गया है। नए नंबर और संचालन की जानकारीट्रेन संख्या 20160 (जबलपुर-कोयंबटूर साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस): यह ट्रेन 23 अक्टूबर से प्रत्येक शुक्रवार को जबलपुर से रात 11:50 बजे प्रस्थान कर अपने निर्धारित मार्ग से होते हुए कोयंबटूर पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 20159 (कोयंबटूर-जबलपुर साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस): वापसी की दिशा में यह ट्रेन 26 अक्टूबर से प्रत्येक सोमवार को कोयंबटूर से शाम 5:05 बजे चलकर बुधवार को जबलपुर पहुंचेगी। पुराने नंबर में बदलावबता दें कि पहले यह ट्रेन स्पेशल ट्रेन के रूप में संख्या 02198 / 02197 के तहत संचालित हो रही थी, जिसे अब बदलकर नियमित सुपरफास्ट ट्रेन के रूप में 20160 / 20159 कर दिया गया है।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति भोपाल के लिए, प्रकाशक एवं मुद्रक, **संपादक अमित शर्मा** द्वारा ए -1 माचना कॉलोनी , शा. राजीव गांधी स्कूल के पास, शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) पिन - 462016 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स प्लाट 241-242 डायनामिक सेन्टर, एमपी नगर जोन-1 भोपाल से मुद्रित। **स्थानीय संपादक सुनील नायक**, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI- MPHIN/2018/76807/ E-mail-eksatbulletin@gmail.com, डाक पंजीयन नंबर MP/BHOPAL/4-501/2020-22, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु संपर्क करें- फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088